20/04/2022

Media Coverage

“હું તમારો અનન્ય સાથી છું, તમારી પડખે રહીં કામ કરવા માગું છું”

વડાપ્રધાન શ્રી નરેન્દ્રભાઇ મોદીએ બનાસકાંઠાના દિયોદર ખાતે બનાસ ડેરી સંકુલમાં બહુવિધ વિકાસ પરિયોજનાઓ રાષ્ટ્રને અર્પણ કરી

ગુજરાત સમાચાર

સહકારી પ્રવૃત્તિથી આત્મ નિર્ભરતાના અભિયાનને બળ મળ્યું છે

ઘઉં અને ચોખા કરતાં દૂધનું ઉત્પાદન મૂલ્ય વધુ, વર્ષે ૮.૫૦ લાખ કરોડ

ગાંધીનગર, મંગળવાર

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ જણાવ્યું છે કે, દેશમાં કો-ઓપરેટિવ મુવમેન્ટથી આત્મનિર્ભરતાના અભિયાનને બળ મળી રહ્યું છે. દેશમાં વર્ષે સાડા આઠ લાખ કરોડ રૂપિયાનું દૂધ ઉત્પાદન થાય છે. આ મૂલ્ય ઘઉં અને ચોખાની ઉત્પાદન કિંમત કરતાં પણ વધુ છે.

લોકલ પ્રોડક્ટને ગ્લોબલ બનાવવા અને સ્થાનિક ખેડૂતોની આવક વધારવાનું કામ બનાસ ડેરીએ કર્યું છે : મોદી

તેમણે કહ્યું કે ડેરી સેક્ટરનો સૌથી વધુ લાભ નાના ખેડૂતોને મળે છે. પશુપાલન કરીને પરિવારનું પેટ ભરતા નાના ખેડૂતોની મોટી ચિંતા કરવાનું કામ સરકારે કર્યું છે.

મોદીએ બનાસ ડેરીના વિવિધ બહુહેતુક પ્લાન્ટ્સના લોકાર્પણ અને ખાતમહૂર્ત પ્રસંગે ખેડૂતો-પશુપાલકોને સંબોધન કરતા કહ્યું કે, 'હું તમારો અનન્ય સાથી છું અને તમારી પડખે રહી કામ કરવા માગું છું.'

તેમણે બનાસકાંઠાના દિયોદર ખાતે બનાસ ડેરી સંકુલમાં બહુવિધ વિકાસની પરિયોજનાઓ રાષ્ટ્રને અર્પણ કરી, વિવિધ પ્રકલ્પોનું ખાતમુહૂર્ત અને લોકાર્પણ કર્યું

હતું. તેમણે જણાવ્યું કે, બનાસ ડેરીના પ્રકલ્પોના લાભ સોમનાથની ધરતી ગુજરાતથી જગન્નાથની ધરતી ઓરિસ્સા સુધીના પશુપાલકોને મળી રહ્યા છે.

લોકલ પ્રોડક્ટને ગ્લોબલ બનાવવા સ્થાનિક ખેડૂતોની આવક વધારવા અન્ય સંશાધનોનો પણ ઉપયોગ થઈ શકે તે બનાસ ડેરીએ સિદ્ધ કર્યું છે.

બનાસ ડેરીના બાયો સી.એન.જી. અને ગોબર ગેસ પ્લાન્ટનો ઉલ્લેખ કરતા તેમણે કહ્યું કે, આ પ્લાન્ટ કચરામાંથી કંચન બનાવશે. તેનાથી સ્વસ્થતા અને સ્વચ્છતાના સંકલ્પ સાકાર થશે, પશુપાલકોને ગોબરધનમાંથી રૂપિયા મળશે, ખેડૂતોને જૈવિક ખાતર મળશે અને લોકોને વીજળી-ઊર્જા મળશે. આ મોડેલ આખા દેશમાં પહોંચે તે આવશ્યક છે.

બનાસકાંઠાના લોકો જેને સમજી-સ્વીકારી લે તેને ક્યારેય છોડે નહીં. ટપક સિંચાઈ પદ્ધતિ અપનાવી પાણીની અછત વચ્ચે ઉત્કૃષ્ટ ખેતી કરતા અહીંના ખેડૂતોએ આ વાત સાબિત કરી બતાવી છે.

મોદીએ બનાસકાંઠા જિલ્લાના દિયોદર ખાતે રૂપિયા ૬૦૦ કરોડના ખર્ચે નવનિર્મિત ડેરી સંકુલ અને બટાટા પ્રસંસ્કરણ પ્લાન્ટ રાષ્ટ્રને સમર્પિત કર્યું છે.

મોદીએ બનાસ કોમ્યુનિટી રેડિયો સ્ટેશન પણ રાષ્ટ્રને અર્પણ કર્યું છે. આ સામુદાયિક રેડિયો સ્ટેશન ખેડૂતોને કૃષિ અને પશુપાલન સંબંધિત મહત્વપૂર્ણ વૈજ્ઞાનિક માહિતી પૂરી પાડવાના ઉદ્દેશથી શરૂ કરવામાં આવ્યું છે. આ રેડિયો સ્ટેશન સાથે ૧૭૦૦ જેટલા ગામડાના લગભગ ૫ લાખ કરતાં વધારે ખેડૂતો જોડાશે જેવી અપેક્ષા છે.

મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્ર પટેલે જણાવ્યું હતું કે, સરદાર પટેલના દ્રષ્ટિવંત આયોજનની છાપ આજની દૂધ સહકાર ચળવળમાં દેખાય છે. આપણા વડાપ્રધાનએ ભારતને પાંચ ટ્રિલિયન ડોલર ઇકોનોમિ બનાવવા સાથે ભારતને આત્મનિર્ભર બનાવવાનો કરેલો સંકલ્પ સાકાર કરવા બનાસ ડેરી

વડાપ્રધાન આજે દાહોદને ૨૧,૮૦૯ કરોડનાં વિકાસ કામોની ભેટ આપશે

ગાંધીનગર, મંગળવાર

ગુજરાતની મુલાકાતે આવેલા વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી ૨૦ એપ્રિલે દાહોદ જિલ્લાના આદિવાસી બાંધવોને રૂ.૨૧૮૦૯.૭૯ કરોડના વિકાસ કામોની ભેટ ધરવાના છે. દાહોદનાં ૧૨૫૯.૬૪ કરોડના વિકાસકાર્યોનું લોકાર્પણ તથા રૂ. ૨૦૫૫૦.૧૫ કરોડનાં વિકાસકાર્યોનું ખાતમુહૂર્ત કરશે. આ સાથે તેઓ દાહોદમાં આદિજાતિ મહાસંમેલનને સંબોધન પણ કરશે.

રેલવે વર્કશોપમાં ૨૦ હજાર કરોડના ખર્ચે નિર્માણ થનારા એકમનો શિલાન્યાસ કરશે

આઇસીસીસી-આઇટી પ્રોજેક્ટ દાહોદ નગરને સ્માર્ટ સીટી તરીકે એક નવા સ્તરે લઇ જતો અને મહાનગરોમાં પણ ન જોવા મળતી અત્યાધુનિક સુવિધાઓ પ્રદાન કરતો એક મહત્વાકાંક્ષી પ્રોજેક્ટ છે. રૂ. ૧૫૧.૦૪ કરોડના ખર્ચે સંપન્ન આ પ્રોજેક્ટનું ખરોડ ખાતે યોજાનારા 'આદિજાતિ મહાસંમેલન'માં લોકાર્પણ કરાશે.

ભારતીય રેલ્વે દ્વારા દાહોદ વર્કશોપમાં ૯ હજાર હોર્સ પાવરની ઇલેક્ટ્રીક લોકોમેટિવ મશીન ઉત્પાદન એકમનો શિલાન્યાસ કરશે. મેક ઇન ઇન્ડિયા અભિયાનને સાકાર કરતા આ પ્રોજેક્ટ થકી દાહોદ અને તેની આસપાસના જિલ્લાઓ માટે ૭ હજાર નોકરીની તકો ઉભી થશે. તેની લાગત રૂ. ૨૦ હજાર કરોડ છે.

રાજસ્થાન પત્રિકા

પીएम ने किया बनास डेयरी की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास, लोकार्पण

डेयरी सेक्टर का सर्वाधिक लाभ छोटे किसानों को : प्रधानमंत्री

भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश, गेहूं-चावल से भी ज्यादा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत विश्व में सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश भारत है। जब करोड़ों किसानों की आजीविका दूध पर निर्भर हो, ऐसे में एक वर्ष में भारत वार्षिक 8.5 लाख करोड़ का दूध उत्पादन करता है। यह गेहूं और चावल के कुल कारोबार से भी ज्यादा है। गांवों की विकेन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था का यह एक उदाहरण है। इस आंकड़े पर कई लोग विशेषकर अर्थशास्त्री ध्यान नहीं देते।

मोदी ने यह बात मंगलवार को गुजरात के बनासकांठा जिले के दियोदर में एशिया की सबसे बड़ी डेयरी बनास डेयरी के नए डेयरी

परिसर व आलू प्रोसेसिंग यूनिट के उद्घाटन के बाद सभा को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र का सबसे ज्यादा लाभ छोटे किसानों को मिल रहा है। दो-तीन भैंसा जबकि पाले छोटे किसान पानी के अभाव में पशुपालन का परिवार का पेट भरते हैं। सरकार ने इन छोटे किसानों की बड़ी चिंता करने और उनकी जिम्मेदारी लेने का काम किया। सरकार छोटे किसानों को वर्ष में 3 बार दो-दो हजार रुपए सीधे उनके बैंक खाते में देती है।

आत्मनिर्भर अभियान को बल

उन्होंने कहा कि देश में सहकारिता आंदोलन से आत्मनिर्भरता अभियान को बल मिल रहा है। पिछले छह सात वर्षों से डेयरी सेक्टर का विस्तार हुआ है। बनास डेयरी का नया परिसर और आलू प्रोसेसिंग संयंत्र स्थानीय किसानों को सशक्त करने और क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं। ग्रामीण अर्थ व्यवस्था, गांवों और किसानों के सशक्तिकरण एवं सहकारिता से प्रेरित आत्मनिर्भरता देश को बड़ी शक्ति दे सकती है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण बनास डेयरी है।

सोमनाथ से जगन्नाथ की धरती तक मिल रहे लाभ

मोदी के मुताबिक बनास डेयरी की परियोजनाओं के लाभ सोमनाथ की धरती गुजरात से जगन्नाथ की धरती ओडिशा तक के पशुपालकों को मिल रहे हैं। वाराणसी में बनास काशी परिसर के शिलान्यास का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि आज बनास डेयरी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, ओडिशा, आंध्र प्रदेश व झारखंड के पशुपालकों को ज्यादा से ज्यादा लाभ देने का काम कर रही है।

आलू और दूध का रिश्ता जोड़ा

पीएम मोदी ने कहा कि आलू और दूध का आपस में कोई लेना-देना नहीं है लेकिन बनास डेयरी ने इसमें रिश्ता जोड़ दिया है। दूध छाछ पनीर आईसक्रीम आलू टिक्की बर्गर पैटीज जैसे उत्पादों को भी बनास डेयरी ने किसानों को सम्बन्ध बनाने का काम किया है। इससे बनास डेयरी ने किसानों को सम्बन्ध बन दिया है।

सशक्तिकरण का अहम उदाहरण

पीएम ने कहा कि भारत में गांव की अर्थव्यवस्था को मालऔर-खानें के सशक्तिकरण को कैसे बल दिया जा सकता है। सहकार कैसे आत्मनिर्भर भारत अभियान को ताकत दे सकता है। यह सब कुछ यहां प्रत्यक्ष अनुभव किया जा सकता है।

लोकल को ग्लोबल बनाने की दिशा में अच्छा कदम

उन्होंने कहा कि बनास डेयरी परिसर वोकल और गाढ़ा संयंत्र डेयरी सेक्टर के विस्तार में आम है। इस डेयरी ने यह भी सिद्ध किया है कि स्थानीय किसानों की आय बढ़ाने के लिए दूसरे संसाधनों का भी उपयोग किया जा सकता है। ये भारत के लोकल को ग्लोबल बनाने की दिशा में भी एक अच्छा कदम है।

गिनाए गोबरधन के फायदे

मोदी ने बायो-सीएनजी संयंत्र का लोकार्पण और 4 गोबर गैस संयंत्र का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अनेक संयंत्र बनास डेयरी देशभर में लगाने जा रही है। यह सपने से साकार के सरकार के अभियान को मदद करने वाला है। उन्होंने कहा कि गोबरधन के माध्यम से एक साथ कई लक्ष्य साधित हो रहे हैं। इससे गांवों में स्वच्छता को बल और पशुपालकों को गोबर का भी पैसा मिल रहा है। गोबर से बायो-सीएनजी और बिजली जैसे उत्पाद तैयार हो रहे हैं इस पूरी प्रक्रिया में जो जैविक खाद मिलती है उससे किसानों को बहुत मदद मिल रही है खेती में को बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इससे गांव व ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। खाने और बेटियां सशक्त होंगी

गुजरात आज सफलता की ऊंचाई पर

मोदी ने कहा कि गुजरात आज सफलता की जिस ऊंचाई पर है विकास की जिस ऊंचाई पर है वो हर गुजराती को गर्व से भर देता है। उन्होंने कहा कि इसका अनुभव उन्होंने गांधीनगर के विद्या समीक्षा केंद्र में किया। गुजरात के सपनों के भविष्य को साकारने के लिए विद्या समीक्षा केंद्र एक तकनीक बन रहा है। हमारे सरकारी स्कूलों के लिए इतनी बड़ी तकनीक का प्रयोग दुनिया के लिए अजूबा है।

शायद ऐसा पहली बार..

मोदी ने सभा में कहा कि शायद जीवन में पहली बार ऐसा हो रहा है जब इतने लाख माताएं बहनें उन्हें आशीर्वाद दे रही हैं। बनासकांठा की बहनों की ओर से बनकुआ लेते समय वे भावुक हो गए और कहा कि वे अपने मन के भाव नहीं रोक सके।

राजस्थान पत्रिका

मोदी ने दियोदर में महिला पशुपालकों से किया संवाद

22 वर्ष के बच्चों को नहीं पता कि पहले गुजरात में रहता था अंधेरा : मोदी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पालनपुर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनासकांठा जिले के दियोदर में महिला पशुपालकों से संवाद करते हुए कहा कि गुजरात में 22 वर्ष के बच्चों को पता नहीं होगा कि पहले गुजरात में अंधेरा रहता था।

मोदी ने 20 से अधिक गायों को रखने वाली महिलाओं के बारे में पूछा। इस पर एक महिला ने कहा कि उसके पास 45 गाय और 85 भैंस हैं। एक करोड़ 26 लाख रुपए के दूध का कारोबार किया हैं। एक अन्य महिला ने कहा कि उन्होंने एक वर्ष में 36 लाख के दूध का कारोबार किया हैं।

एक महिला पशुपालक ने प्रधानमंत्री को बताया कि ज्योतिग्राम योजना के कारण क्षेत्र में बिजली की व्यवस्था होने के बाद गांव में 24 घंटे बिजली मिल रही है। इससे अच्छा कारोबार भी संभव हुआ हैं। इस पर मोदी ने कहा कि गुजरात में 22 वर्ष के बच्चों को पता नहीं होगा कि पहले गुजरात में अंधेरा रहता था। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में गुजरात में भाजपा की सरकार बनने के बाद महिलाओं को सशक्त करने के अनेक कदम उठाए।

बनासकांठा के दियोदर में महिला पशुपालकों से संवाद करते पीएम नरेन्द्र मोदी।

पहले महिलाओं के नाम पर कुछ नहीं खरीदा जाता था

मोदी ने कहा कि पहले मकान, दुकान, वाहन, ट्रैक्टर आदि या तो पति या पुत्र के नाम पर होते थे। महिलाओं के नाम पर कुछ भी खरीदा नहीं जाता था। उनके नेतृत्व में गुजरात में सरकार बनने के बाद महिलाओं के नाम पर खेत खरीदने के बाद स्टांप ड्यूटी घटाई, प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं के नाम पर आवास आवंटित किए।

प्रत्येक जिले में 75 बड़े तालाब बनाने की अपील

एक महिला ने प्रधानमंत्री ने टपक सिंचाई की की जानकारी दी। इस पर मोदी ने प्रत्येक जिले में 75 बड़े तालाब बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में आगामी बरसात से पहले यह तालाब बनाने का काम पूरा करना है ताकि मानसून के दौरान तालाब भरने से गांवों में पानी मिलता रहेगा, इससे गांव का पानी गांव में रहेगा। मोदी ने किसानों की सराहना करते हुए कहा कि टपक सिंचाई पद्धति का उपयोग करने में गुजरात प्रथम स्थान पर पहुंच गया। नर्मदा का पानी पहुंचने के कारण इतना लाभ हुआ है कि बनासकांठा जिला कई प्रकार की खेती में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पानी बचाने में प्रत्येक नागरिक ने सहयोग किया है। एक महिला ने क्षेत्र में खेत तलाब बनाने की जानकारी दी।

नडाबेट के बारे में पूछा

मोदी ने महिला पशुपालकों से पूछा कि नडाबेट कौन-कौन गई हैं, इसके जवाब में एक महिला ने कहा कि वह परिवार के साथ नडाबेट गई थी। मोदी ने कहा कि इससे पता चला होगा कि सीमा सुरक्षा बल क्या करता है। एक महिला ने मोदी को गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए 108 एंबुलेंस सेवा शुरू करने की सराहना की। मोदी ने पूछा कि फोन करने के कितने समय में एंबुलेंस आती है, महिला ने कहा कि आधे घंटे में एंबुलेंस आती है।

पशुओं का कराएं वैक्सीनेशन

मोदी ने इस संवाद में मौजूद महिलाओं से कोरोना रोधी वैक्सीन लगवाने के बारे में भी पूछा। इस पर महिलाओं ने कहा कि सभी ने वैक्सीन लगवाई है। मोदी ने कहा कि अब पशुओं का भी वैक्सीनेशन किया जा रहा है। उन्होंने पशुओं का वैक्सीनेशन करवाने के साथ ही पशुओं को नंबर का टैग लगवाने की भी अपील की। मोदी ने शहद के कारोबार के बारे में भी पूछा। एक महिला ने रायड़े (सरसों) की खेती करने की जानकारी दी। मोदी ने कहा कि रायड़े की खेती के लिए बनासकांठा जिला काफी अच्छा है। महिलाओं ने सौंफ, आजवाईन की भी खेती करने की जानकारी दी। मोदी ने कहा कि छोटी-छोटी उपज से खेती में उत्पादन बढ़ता है। मोदी ने कहा कि गोबर गैस से भी महिलाएं कमाई कर रहीं हैं।

ગાંધીનગર સમાચાર

“હું તમારો અનન્ય સાથી છું” : મોદી

વડાપ્રધાન નરેન્દ્રભાઇ મોદીએ બનાસકાંઠાના દિયોદર ખાતે બનાસ ડેરી સંકુલમાં બહુવિધ વિકાસ પરિયોજનાઓ રાષ્ટ્રને અર્પણ કરી : વડાપ્રધાન નરેન્દ્રભાઈ મોદીએ બનાસકાંઠાના દિયોદરમાં બનાસ ડેરી સંકુલની લીધી મુલાકાત

ગાંધીનગર, તા. ૧૮

વડાપ્રધાન નરેન્દ્રભાઈ મોદીએ જણાવ્યું છે કે દેશમાં કોઈપરંદિવ મુવમેન્ટથી આત્મનિર્ભરતાના અભિયાનને બળ મળી રહ્યું છે. દેશમાં વર્ષે સાડા આઠ લાખ કરોડ રૂપિયાનું દૂધ ઉત્પાદન થાય છે. આ મૂળ પછી અને ચોખાની ઉત્પાદન કિંમત કરતાં પણ વધુ છે.

તેમણે કહ્યું કે ડેરી સેક્ટરનો કોઈ વધુ લાભ નાના ખેડૂતોને મળે છે. પશુપાલન કરીને પરિવારનું પેટ ભરતા નાના ખેડૂતોની માટી ચિંતા કરવાનું કામ સરકારે કર્યું છે.

આજ ખેડૂતોને વર્ષમાં ૩ વાર બે-બે હજાર રૂપિયા સીધા જ તેમના બેંક ખાતામાં ભારત સરકાર આપે છે તેની પણ પ્રધાનમંત્રીએ વિગતો આપી હતી.

પ્રધાનમંત્રી નરેન્દ્રભાઈ મોદીએ બનાસ ડેરીના વિવિધ બહુહેતુક પ્લાન્ટ્સના લોકાર્પણ અને ખાતમુહૂર્ત પ્રસંગે ખેડૂતો-પશુપાલકોને સંબોધન કરતા કહ્યું કે "હું તમારો અનન્ય સાથી છું અને તમારી પાસે રહી કામ કરવા માગું છું."

વડાપ્રધાને બનાસકાંઠાના દિયોદર ખાતે બનાસ ડેરી સંકુલમાં બહુવિધ વિકાસની પરિયોજનાઓ રાષ્ટ્રને અર્પણ કરી, વિવિધ પ્રકલ્પોનું ખાતમુહૂર્ત અને લોકાર્પણ કર્યું હતું. આ અવસરે મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્રભાઈ પટેલ પણ વિશેષ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. વડાપ્રધાને બનાસકાંઠાના દિયોદરમાં બનાસ ડેરી સંકુલની મુલાકાત પણ લીધી હતી.

આ તકે વડાપ્રધાને વર્ષમાં જણાવ્યું કે બનાસ ડેરીના પ્રકલ્પોના લાભ સોમનાથની ધરતી ગુજરાતથી જગન્નાથની ધરતી ઓરિસ્સા સુધીના પશુપાલકોને મળી રહ્યા છે. ઉત્તર ગુજરાતની સહકારી શેરની બનાસ ડેરીએ ઓછા વરસાદવાળા જિલ્લા બનાસકાંઠામાં કાંકરેજ ગાય, મહેસાણી ભેંસ અને બટાટા ઉત્પાદનથી લોકોની તકદીર બદલવાનું સફળ મોડેલ પૂરું પાડ્યું છે.

વડાપ્રધાનએ જણાવ્યું કે લોકલ ફોરને ગ્લોબલ બનાવવા સ્થાનિક ખેડૂતોની આવક વધારવા અન્ય સંસ્થાઓનો પણ ઉપયોગ થઈ શકે તે બનાસ ડેરીએ સિદ્ધ કર્યું છે.

બનાસકાંઠાના ખેડૂતોએ મધ ઉછેર વ્યવસાય અપનાવી સ્વીટ રિવોલ્યુશનમાં સહભાગીતા કરી છે તેનો ઉલ્લેખ કરતાં વડાપ્રધાને કહ્યું કે મગફળી અને સરસવમાંથી બાયોનેચ બનાવવાના પ્લાન્ટથી અહિંના ખેડૂતો બાયોનેચ શેરને આત્મનિર્ભરતા જોડી છે.

બનાસ ડેરીના બાયો સી.એન.જી. અને ગોબર ગેસ પ્લાન્ટનો ઉલ્લેખ કરતા તેમણે કહ્યું કે આ પ્લાન્ટ કચરામાંથી ધંધન બનાવશે. તેનાથી સ્વચ્છતા અને સ્વચ્છતાના સંકલ્પ સાકાર થશે, પશુપાલકોને ગોબરધનમાંથી રૂપિયા મળશે, ખેડૂતોને જૈવિક ખાતર મળશે અને લોકોને વીજળી-ડીઝલ મળશે. આ મોડેલ આખા દેશમાં પહોંચે તે આવશ્યક છે તેમ તેમણે ઉમેર્યું હતું.

તેમણે ઉમેર્યું કે બનાસકાંઠાના લોકો જેને સમજી-સ્વીકારી લે તેને કોઈ રોકી શકતું નથી. ટપક સિંચાઈ પદ્ધતિ અપનાવી પાણીની બચત વચ્ચે ઉનાળુ ખેતી કરતા ખેડૂતોએ આ વાત સાબિત કરી બતાવી છે.

પ્રધાનમંત્રીએ આઝાદીના અમૃત મહોત્સવ વર્ષે જિલ્લાદીઠ ૭૫ તળાવના નિર્માણ દ્વારા વરસાદી પાણીના સંગ્રહ-સંચય કરી ધરતી માતાને અમૃતમય બનાવવાનું આહવાન કર્યું હતું.

પ્રધાનમંત્રીએ જણાવ્યું કે વિકાસ-જનકલ્યાણ માટેના અનેક માર્ગ હોય છે. સીમાદર્શન, રણોત્સવ, જેવા પ્રકલ્પોથી ટુરિઝમ ક્ષેત્રે રાજ્યના સરહદી જિલ્લાઓનો વિકાસ કર્યો છે, ગામડાઓને આર્થિક રીતે સમર્થ બનાવ્યા છે.

પ્રધાનમંત્રીએ આ પ્રસંગે રાજ્ય સરકારના વિવિધ સમાજ કેન્દ્રની આધુનિક સુવિધાઓ અને તેનાથી રાજ્યના શિક્ષણ ક્ષેત્રે આવેલા પરિવર્તનોનો સવિશેષ ઉલ્લેખ કર્યો હતો.

◉ અનુસંધાન પાન-૭ પર

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ બનાસકાંઠાના દિયોદર ખાતે બનાસ ડેરી સંકુલમાં બહુવિધ વિકાસ પરિયોજનાઓ રાષ્ટ્રને અર્પણ કરી હતી તે પ્રસંગે ઉપસ્થિત બનાસકાંઠાની પશુપાલક માતા-બહેનોએ વડાપ્રધાનના ઓવારણા લઈ આશીર્વાદ આપ્યા હતા. પ્રધાનમંત્રીએ આ પ્રસંગે ઉપસ્થિત નારી શક્તિ સાથે સંવાદ પણ કર્યો હતો, વડાપ્રધાન દિયોદર ખાતે ઉમટી પડેલી જનમેદનીને સંબોધન કર્યું હતું.

નાના ખેડૂતોની મોટી ચિંતા સરકાર કરે છે

વિકાસ-જનકલ્યાણ માટેના અનેક માર્ગ હોય છે:વડાપ્રધાન

ગાંધીનગર તા.૧૮

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ જણાવ્યું છે કે, દેશમાં કો-ઓપરેટિવ મુવમેન્ટથી આત્મનિર્ભરતાના અભિયાનને બળ મળી રહ્યું છે. દેશમાં વર્ષે સાડા આઠ લાખ કરોડ રૂપિયાનું દૂધ ઉત્પાદન થાય છે. આ મૂલ્ય ઘઉં અને ચોખાની ઉત્પાદન કરતાં પણ વધુ છે.

તેમણે કહ્યું કે ડેરી સેક્ટરનો સૌથી વધુ લાભ નાના ખેડૂતોને મળે છે. પશુપાલન કરીને પરિવારનું પેટ ભરતા નાના ખેડૂતોની મોટી ચિંતા કરવાનું કામ સરકારે કર્યું છે. આવા ખેડૂતોને વર્ષમાં ૩ વાર બે-બે હજાર રૂપિયા સીધા જ તેમના બેંક ખાતામાં ભારત સરકાર આપે છે.

પ્રધાનમંત્રીએ બનાસ ડેરીના વિવિધ બહુહેતુક પ્લાન્ટ્સના લોકાર્પણ અને ખાતમુહૂર્ત પ્રસંગે ખેડૂતો-પશુપાલકોને સંબોધન કરતા કહ્યું કે, હું તમારો અનન્ય સાથી છું અને તમારી પડખે રહી કામ કરવા માંગુ છું.

હું તમારો અનન્ય સાથી છું અને તમારી પડખે રહી કામ કરવા માંગુ છું

વડાપ્રધાનએ બનાસકાંઠાના દિયોદર ખાતે બનાસ ડેરી સંકુલમાં બહુવિધ વિકાસની પરિયોજના રાષ્ટ્રને અર્પણ કરી, વિવિધ પ્રકલ્પોનું ખાતમુહૂર્ત અને લોકાર્પણ કર્યું હતું. આ અવસરે મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્રભાઈ પટેલ પણ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. વડાપ્રધાને બનાસકાંઠાના દિયોદરમાં બનાસ ડેરી સંકુલની મુલાકાત પણ લીધી હતી.

વડાપ્રધાને જણાવ્યું કે, બનાસ ડેરીના પ્રકલ્પોના લાભ સોમનાથની ધરતી ગુજરાતની જગન્નાથની ધરતી ઓરિસ્સા સુધીના પશુપાલકોને મળી રહ્યા છે. ઉત્તર ગુજરાતની સહકારી ક્ષેત્રની બનાસ ડેરીએ ઓછા વરસાદવાળા જિલ્લા બનાસકાંઠામાં કાંકરેજ ગાય, મહેસાણી ભેંસ અને બટાટા ઉત્પાદનકારી લોકોની તકદીર બદલવાનું સફળ મોડેલ પૂરું પાડ્યું છે. લોકલ પ્રોડક્ટને ગ્લોબલ બનાવવા સ્થાનિક ખેડૂતોની આવક વધારવા અન્ય સંસાધનોની માફક પણ ઉપયોગ થઈ શકે છે. તે બનાસ ડેરીએ સિદ્ધ કર્યું છે.

બનાસ ડેરીના આવાં સી.એન.જી. અને ગોબર ગેસ પ્લાન્ટનો ઉલ્લેખ કરતાં તેમણે કહ્યું કે, આ પ્લાન્ટ કચરામાંથી કંચન બનાવશે. તેનાથી સ્વસ્થતા અને સ્વચ્છતાના સંકલ્પ સાકાર થશે. પશુપાલકોને ગોબરધનમાંથી રૂપિયા મળશે. ખેડૂતોને જૈવિક ખાતર મળશે. અને લોકોને વીજળી-ઉર્જા મળશે. આ મોડલ આખા દેશમાં પહોંચે તે આવશ્યક છે. તેમ તેમણે ઉમેર્યું હતું.

આઝાદીના અમૃત મહોત્સવ વર્ષે જિલ્લાદીઠ ૭૫ તળાવના નિર્માણ દ્વારા વરસાદી પાણીના સંગ્રહ-સંચય કરી ધરતી માતાને અમૃતમય બનાવવાનું આહ્વાન કર્યું હતું.

પ્રધાનમંત્રીએ જણાવ્યું કે, વિકાસ-જનકલ્યાણ માટેના અનેક માર્ગ હોય છે. સીમાદર્શન, રણોત્સવ જેવા પ્રકલ્પોથી ટુરિઝમ ક્ષેત્રે રાજ્યના સરહદી જિલ્લાઓનો વિકાસ કર્યો છે. ગામડાઓને આર્થિક રીતે ધમધમતા કર્યા છે.

વડાપ્રધાને બનાસ કોમ્યુનિટી રેડિયો સ્ટેશન પણ રાષ્ટ્રને અર્પણ કર્યું છે. આ સામુદાયિક રેડિયો સ્ટેશન ખેડૂતોને કૃષિ અને પશુપાલન સંબંધિત મહત્વપૂર્ણ વૈજ્ઞાનિક માહિતી પૂરી પાડવાના ઉદ્દેશથી શરૂ કરવામાં આવ્યું છે.

તેઓએ પાલનપુરમાં આવેલા બનાસ ડેરી પ્લાન્ટ ખાતે ચીઝની પ્રોડક્ટ્સ અને છાસ પાવડરના ઉત્પાદન માટે વિસ્તૃત કરવામાં આવેલી સુવિધાઓ પણ રાષ્ટ્રને અર્પણ કરી છે. એટલું જ નહીં, પ્રધાનમંત્રી ગુજરાતના દામા ખાતે સ્થાપવામાં આવેલા જૈવિક ખાતર અને બાયોગેસ પ્લાન્ટને પણ રાષ્ટ્રને અર્પણ કર્યો છે.

આજની દૂધ સહકાર ચળવળની સફળતામાં સરદાર પટેલના દૃષ્ટિવંત આયોજનની છાપ દેખાય છે:ભૂપેન્દ્ર પટેલ

મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્ર પટેલે જણાવ્યું હતું કે, દેશના વડાપ્રધાન નરેન્દ્રભાઈ મોદીના માર્ગદર્શનમાં ઉત્તર ગુજરાતના પશુપાલકો-દૂધ ઉત્પાદકના જીવનમાં નવી રોશની લાવવામાં આ પ્રોજેક્ટ મહત્વપૂર્ણ બનશે.

સરદાર પટેલના દ્રષ્ટિવંત આયોજનની છાપ આજની દૂધ સહકાર ચળવળમાં દેખાય છે. આપણા વડાપ્રધાનએ ભારતને

(અનુસંધાન બીજા પાને)

વડપ્રદ ટુડે

E-mail : vsvadodara@gmail.com ■ URL www.vadodarasamachar.com ■ R.N.I. No. ■ Postal Regd No.

હું તમારો અનન્ય સાથી છું, તમારી પડખે રહીં કામ કરવા માગું છું પીએમ નરેન્દ્ર મોદી

બનાસ ડેરીના પ્લાન્ટનું વડાપ્રધાનના હસ્તે લોકાર્પણ

(પ્રતિનિધિ)અમદાવાદ,તા.૧૯ વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ બનાસ ડેરીના વિવિધ પ્રકલ્પોનું ખાતમુહૂર્ત અને લોકાર્પણ કરતા કહ્યું કે, હું તમારો અનન્ય સાથી છું અને તમારી પડખે રહી કામ કરવા માગું છું. વડાપ્રધાન મોદીએ આઝાદીના અમૃત મહોત્સવ વર્ષે જિલ્લાદીઠ ૭૫ તળાવના નિર્માણ દ્વારા વરસાદી પાણીના સંગ્રહ-સંચય કરી ધરતી માતાને અમૃતમય બનાવવાનું આહ્વાન કર્યું હતું. આ અવસરે મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્ર પટેલ પણ વિશેષ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ જણાવ્યું હતું કે, દેશમાં કો-ઓપરેટિવ મુવમેન્ટથી આત્મનિર્ભરતાના અભિયાનને બળ મળી રહ્યું છે. દેશમાં વર્ષે સાડા આઠ લાખ કરોડ રૂપિયાનું દૂધ ઉત્પાદન થાય છે. આ મૂલ્ય ઘઉં અને ચોખાની ઉત્પાદન કિંમત કરતાં પણ વધુ છે. ડેરી સેક્ટરનો સૌથી વધુ લાભ નાના ખેડૂતોને મળે છે. પશુપાલન કરીને પરિવારનું પેટ ભરતા નાના ખેડૂતોની મોટી ચિંતા કરવાનું કામ સરકારે કર્યું છે. આવા ખેડૂતોને વર્ષમાં ૩ વાર બે-બે હજાર રૂપિયા સીધા જ તેમના બેંક ખાતામાં ભારત સરકાર આપે છે. વડાપ્રધાને બનાસકાંઠાના દિયોદરમાં બનાસ ડેરી સંકુલની મુલાકાત પણ લીધી હતી. વડાપ્રધાન મોદીએ વધુમાં જણાવ્યું કે, બનાસ ડેરીના પ્રકલ્પોના લાભ સોમનાથની ધરતી ગુજરાતથી જગન્નાથની ધરતી ઓરિસ્સા સુધીના પશુપાલકોને મળી રહ્યા છે. ઉત્તર ગુજરાતની સહકારી ક્ષેત્રની બનાસ ડેરીએ ઓછા વરસાદવાળા જિલ્લા બનાસકાંઠામાં કાંકરેજી ગાય, મહેસાણી ભેંસ અને બટાટા ઉત્પાદનથી લોકોની તકદીર બદલવાનું સફળ મોડેલ પૂરું પાડ્યું છે. લોકલ પ્રોડક્ટને ગ્લોબલ બનાવવા સ્થાનિક ખેડૂતોની આવક વધારવા અન્ય સંશાધનોનો પણ ઉપયોગ થઇ શકે તે બનાસ ડેરીએ સિદ્ધ કર્યું છે. બનાસકાંઠાના ખેડૂતોએ મધ ઉછેર વ્યવસાય અપનાવી સ્વીટ રિવોલ્યુશનમાં સહભાગીતા કરી છે તેનો ઉલ્લેખ કરતાં વડાપ્રધાને કહ્યું કે, મગફળી અને સરસવમાંથી ખાદ્યતેલ બનાવવાના પ્લાન્ટથી અહીંના ખેડૂતો ખાદ્યતેલ ક્ષેત્રે આત્મનિર્ભરતા લેટી છે. બનાસ ડેરીના આવે સી.એન.જી. અને ગોબર ગેસ પ્લાન્ટ કચરામાંથી કંચન બનાવશે. તેનાથી સ્વચ્છતા અને સ્વચ્છતાના સંકલ્પ સાકાર થશે. પશુપાલકોને ગોબરધનમાંથી રૂપિયા મળશે, ખેડૂતોને જૈવિક ખાતર મળશે અને લોકોને વીજળી-ઉર્જા મળશે. આ મોડેલ આખા દેશમાં પહોંચે તે આવશ્યક છે, તેમણે ઉમેર્યું કે, વિકાસ-જનકલ્યાણ માટેના અનેક માર્ગ હોય છે. સીમાદર્શન, રણોત્સવ, જેવા પ્રકલ્પોથી ટુરિઝમ ક્ષેત્રે રાજ્યના સરહદી જિલ્લાઓનો વિકાસ કર્યો છે, ગામડાઓને આર્થિક રીતે ધબકતા કર્યાં છે. અત્રે ઉલ્લેખનીય છે કે, બનાસકાંઠા જિલ્લાના દિયોદર ખાતે રૂપિયા ૧૦૦ કરોડના ખર્ચે નવનિર્મિત ડેરી સંકુલ અને બટાટા પ્રસંસ્કરણ પ્લાન્ટ રાષ્ટ્રને સમર્પિત કર્યું છે. આ નવું તૈયાર કરવા આવેલું ડેરી સંકુલ ગ્રીનફિલ્ડ પ્રોજેક્ટ છે. તેનાથી દૈનિક ધોરણે અંદાજે ૩૦ લાખ લીટર દૂધનું પ્રસંસ્કરણ થઇ શકશે, ૮૦ ટન માખણનું ઉત્પાદન, એક લાખ લીટર આઇસક્રીમ, ૨૦ ટન કન્ડેન્સ્ડ દૂધ (ખોયા) અને ૧ ટન ચોકલેટનું ઉત્પાદન થઇ શકશે. બટાટા પ્રસંસ્કરણ પ્લાન્ટની મદદથી બટાટાની વિવિધ પ્રકારની પ્રસંસ્કરણ કરેલી વસ્તુઓનું ઉત્પાદન થઇ શકશે જેમાં ફ્રેન્ચ ફ્રાઇઝ, બટાટાની ચિપ્સ, આલુ ટિક્કી, પેટીસ વગેરે સામેલ છે. આમાંથી ઘણી વસ્તુઓને અન્ય દેશોમાં નિકાસ પણ કરવામાં આવશે. આ પ્લાન્ટસથી સ્થાનિક ખેડૂતોનું સશક્તિકરણ થશે અને આ પ્રદેશમાં ગ્રામીણ અર્થતંત્રને ઘણો વેગ મળશે. આ ઉપરાંત પાલનપુરમાં આવેલા બનાસ ડેરી પ્લાન્ટ ખાતે ચીઝની પ્રોડક્ટ્સ અને છાસ પાવડરના ઉત્પાદન માટે વિસ્તૃત કરવામાં આવેલી સુવિધાઓ પણ વડાપ્રધાને રાષ્ટ્રને અર્પણ કરી હતી. વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ બનાસ કોમ્યુનિટી રેડિયો સ્ટેશન પણ રાષ્ટ્રને અર્પણ કર્યું છે. આ સામુદાયિક રેડિયો સ્ટેશન ખેડૂતોને કૃષિ અને પશુપાલન સંબંધિત મહત્વપૂર્ણ વૈજ્ઞાનિક માહિતી પૂરી પાડવાના ઉદ્દેશથી શરૂ કરવામાં આવ્યું છે. આ રેડિયો સ્ટેશન સાથે ૧૭૦૦ જેટલા ગામડાના લગભગ ૫ લાખ કરતાં વધારે ખેડૂતો જોડાશે જેવી અપેક્ષા છે.

આ અવસરે મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્ર પટેલે જણાવ્યું હતું કે, દેશના વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીના માર્ગદર્શનમાં ઉત્તર ગુજરાતના પશુપાલકો- દૂધ ઉત્પાદકના જીવનમાં નવી રોશની લાવવામાં આ પ્રોજેક્ટ મહત્વપૂર્ણ બનશે. સરદાર પટેલના દ્રષ્ટિવંત આયોજનની છાપ આજની દૂધ સહકાર ચળવળમાં દેખાય છે. આપણા વડાપ્રધાનશ્રીએ ભારતને પાંચ ટ્રિલિયન ડોલર ઇકોનોમિ બનાવવા સાથે ભારતને આત્મનિર્ભર બનાવવાનો કરેલો સંકલ્પ સાકાર કરવા બનાસ ડેરી પણ પથદર્શક બનશે.

બનાસકાંઠા જિલ્લો બટાટાના ઉત્પાદનમાં અગ્રેસર હોવાનો ઉલ્લેખ કરી મુખ્યમંત્રીએ જણાવ્યું હતું કે, આજના પોટેટો પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટ બટાટા ઉત્પાદનોને મૂલ્ય વૃદ્ધિ સાથે વૈશ્વિક બજાર ઉપલબ્ધ કરશે. સાથે સાથે પશુપાલન વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલી મહિલાઓની દૂધ સહકારી મંડળીઓમાં ભાગીદારનું પોર્ટલમાં પણ ઉપલબ્ધ કરશે, એમ તેમણે ઉમેર્યું હતું. બનાસડેરીના ચેરમેન શંકર ચૌધરીએ સ્વાગત પ્રવચનમાં જણાવ્યું હતું કે, ડેરીની સભાસદ મહિલાઓએ ગામે-ગામ ફરીને લોકોને કાર્યક્રમમાં આવવા નિમંત્રણ આપ્યું છે. આગામી સમયમાં 'બટાટા'નું ઉત્પાદન કરવા જઇ રહ્યા છીએ. સાથે-સાથે 'છે'માંથી પ્રોટીન અલગ કરીને પ્લાન્ટ કાર્યાન્વિત કર્યો છે. પ્રોટીન બટર મિલ્ક-પ્રોટીન લસ્સીનું માતબર વેચાણ થઇ રહ્યું છે. સાથે-સાથે ઓર્ગેનિક ખેત ઉત્પાદન તરફ આગળ વધવા કટિબદ્ધ છીએ.

વડપ્રદ ટુડે

બનાસકાંઠાના દિયોદર ખાતે બનાસ ડેરી સંકુલમાં બહુવિધ વિકાસ પરિયોજનાઓ રાષ્ટ્રને અર્પણ કરતા વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી

હું તમારો અનન્ય સાથી છું, તમારી પડખે રહી કામ કરવા માગું છું : મોદી

(પ્રતિનિધિ) અમદાવાદ,તા.૧૬

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ બનાસ ડેરીના વિવિધ પ્રકલ્પોનું આજપુરતું અને ઓકારસંત કરતા કહ્યું કે, હું તમારો અનન્ય સાથી છું અને તમારી પડખે રહી કામ કરવા માગું છું. વડાપ્રધાન મોદીએ આકાશીના અમૃત મહોત્સવ પર્વે બિરસાઇટ ૩૫ તબ્બાના નિર્માણ દ્વારા પરમારી પાણીના સંકટ-સમય કરી પાની માલણ અમૃતમય બનાવવાનું આકાશન કર્યું હતું. આ અવસરે મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્ર પટેલ પણ વિશેષ રૂપેસ્થિત રહ્યા હતા. વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ જણાવ્યું હતું કે, દેશમાં કો-ઓપરેટિવ મુવમેન્ટથી આત્મનિર્ભરતાના અભિયાનને બળ મળી રહ્યું છે. દેશમાં પ્રથમ વાર આવા બાય પ્રોડક્ટ પ્રોસેસિંગનું ૧૫ ક્રિયાનું ૧૫ ક્રિયાન થયા છે. આ મૂળ પછી અને ચોખ્ખાથી ક્રિયાન કિંમત કરતાં પણ વધુ છે. ડેરી સંકટનાં સોથી વધુ લાભ નાના ખેડૂતોને થયે છે. પશુપાલન કરીને જીવનારું ૧૮ ભાગ નાના ખેડૂતોની મોટી

ચિંતા કરવાનું કામ કરાયું છે. આજ ખેડૂતોને વર્ષમાં ૩ વાર બે-બે હપ્તા ક્રિષ્ના લીધા જ તેમના બેંક ખાતામાં ભાવ કરાયા આવે છે. વડાપ્રધાન બનાસકાંઠામાં દિયોદરમાં બનાસ ડેરી સંકુલની મુલાકાત બાદ બોલી હતી. વડાપ્રધાન મોદીએ વધુમા જણાવ્યું કે, બનાસ ડેરીના ૪૫૦ ગામના લાખ લોકબંધની પાની ખારાશમાં મુશ્કેલ ખેડૂતોકોને મળી રહ્યા છે. ઉત્તર ગુજરાતની લાકારી સંસ્થાની બનાસ ડેરીએ બટાકા વરસાદાબાદ ક્રિયા બનાસકાંઠામાં ૪૫૬૨૭ ગામ, બહેનાની બોલ બન બટાકા ઉત્પાદનથી જોકાની નકરી ખાતરનું ક્રમ બોટલ પણ ચાલવું છે. જોકાર માર્કેટ બનાવવા બનાસ ડેરીએ ખેડૂતની મુશ્કેલી ઓછી કરવા ખેડૂતોની ખેતીમાં ઉપયોગી બનાસ ડેરીએ ૩૨ ગામમાં ૩૨ ગોબર ગેસ પ્લાન્ટ કાર્યરત કર્યા છે. વડાપ્રધાને કહ્યું કે, બનાસની બને સરસવમાંથી બાયોગેસ બનાવવાના પ્લાન્ટથી બહેનો ખેડૂતો બાયોગેસ સેવ આત્મનિર્ભરતા વધી છે. બનાસ ડેરીના પ્લાન્ટ કાર્યરત થયા બી.બી.ઓ. અને ગોબર ગેસ પ્લાન્ટ કાર્યરત કર્યા છે. તેનાથી સ્વચ્છતા અને સ્વચ્છતાના સંકલ્પ સહાય મળે, પશુપાલકોને યોગદાનમાંથી ઊર્જિત બનાવે, ખેડૂતોને ઊર્જિત ખાતર બનાવે અને ગોકાર ગૌબરી-ઉર્જાને બનાવે. આ ગોકાર બાબત રૂપિયું કે, વિકાસ-બનાકાબાદ આંદોલ બનાવે થાર્ય કાંય છે. ગોબારસંન, સ્વાસ્તસ્વ, બંગ્રા પ્રકલ્પથી ટુરિઝમ ક્ષેત્રે રાજ્યના સરસતી નિર્માણબોના વિકાસ કર્યો છે. વાવડાબોને આર્થિક રીતે પબવબના કર્યા છે. અને ડિસેમબીબ છે કે, બનાસકાંઠા નિર્માણ દિયોદર બાને ક્રિષ્ના ૧૦૦ કરોડના બર્ષે નવનિર્મિત કરી સહુત અને બટાકા પ્રસંસ્કરણ પ્લાન્ટ સહુત સમર્પિત કર્યું છે. આ બધુ તેનાથ કરવા વડાપ્રધાને કહ્યું કે, બનાસની બને સરસવમાંથી બાયોગેસ બનાવવાના પ્લાન્ટથી બહેનો ખેડૂતો બાયોગેસ સેવ આત્મનિર્ભરતા વધી છે. બનાસ ડેરીના પ્લાન્ટ કાર્યરત કર્યા છે. તેનાથી સ્વચ્છતા અને સ્વચ્છતાના સંકલ્પ સહાય મળે, પશુપાલકોને યોગદાનમાંથી ઊર્જિત બનાવે, ખેડૂતોને ઊર્જિત ખાતર બનાવે અને ગોકાર ગૌબરી-ઉર્જાને બનાવે. આ ગોકાર બાબત રૂપિયું કે, વિકાસ-બનાકાબાદ આંદોલ બનાવે થાર્ય કાંય છે. ગોબારસંન, સ્વાસ્તસ્વ, બંગ્રા પ્રકલ્પથી ટુરિઝમ ક્ષેત્રે રાજ્યના સરસતી નિર્માણબોના વિકાસ કર્યો છે. વાવડાબોને આર્થિક રીતે પબવબના કર્યા છે. અને ડિસેમબીબ છે કે, બનાસકાંઠા નિર્માણ દિયોદર બાને ક્રિષ્ના ૧૦૦ કરોડના બર્ષે નવનિર્મિત કરી સહુત અને બટાકા પ્રસંસ્કરણ પ્લાન્ટ સહુત સમર્પિત કર્યું છે. આ બધુ તેનાથ કરવા અવસરે કરી સહુત કોબબીબ ૩૦૦ કરોડ ૨૦૬૨ કરોડ (બાબ) અને ૧ કરોડ ૨૦૬૨ કરોડ (બાબ) અને ૧ કરોડ પોકારવાનું ક્રિયાન થઇ રહ્યાં. બટાકા પ્રસંસ્કરણ પ્લાન્ટની ક્ષરતાથી બટાકાની વિવિધ પ્રકારની પ્રસંસ્કરણ કરી પોતુબાનું ક્રિયાન થઇ રહ્યાં બંગ્રા કરવ કરોડ, બટાકાની બિપ્સ, બાબુ દિવી, પોકીબ બનેરે સામેલ છે. બાબાથી પાની પોતુબાને બનવ દિયોગ વિકાસ પબ કરબામાં બાબ્યાં. બા પ્લાન્ટ સબી સ્વાનિક ખેડૂતોનુ સાકિલ્પિકરબ પાસે બનેં બા પ્રકલ્પ ક્રાબીન બર્બાકરબ પાસે બનેં પેન બબ્યાં. બા ક્રિયાન પાકબપુરબા બાબ્યાં બનાસ કરી પ્લાન્ટ પાસે પોકીબી પ્રોસેસ્ડ બન કરબ પાકારબા ક્રિયાન માટે બિલબૂત કરબાબાં બાબ્યાં ડુબિબાબાં પણ વડાપ્રધાન સહુત અર્પણ કરી હતી. વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ બનાસ કાંકબૂબીટી રોડિયો સ્ટેશન પણ રાજ્યને અર્પણ કર્યું છે. આ આબુનિક રેડિયો સ્ટેશન ખેડૂતોને કૃષિ અને બાગુપાલન સંબંધિત બાહબપૂર્ણ જોકારિક બાર્તાબી પૂરી પાડવામાં સિક્રબી રહ્યું કરવામાં આબ્યું છે. આ રેડિયો સ્ટેશન લાખે ૧,૩૦૦ ચોરસ બાગાકાલ કબબાલ ૫ લાખ કરતા વધારે ખેડૂતો બાંબી અપેક્ષા છે. આ અવસરે મુખ્યમંત્રી ખૂબેન પટેલ બબ્યાબ્યું કે, રેડિબ પ્રકાશન નરેન્દ્ર મોદીએ બબ્યાબ્યું કે, બનાસ ડેરીએ ૩૫ તબ્બાના નિર્માણ દ્વારા પરમારી પાણીના સંકટ-સમય કરી પાની માલણ અમૃતમય બનાવવાનું આકાશન કર્યું હતું. આ અવસરે મુખ્યમંત્રી ખૂબેન પટેલ પણ વિશેષ રૂપેસ્થિત રહ્યા હતા. વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ જણાવ્યું હતું કે, દેશમાં કો-ઓપરેટિવ મુવમેન્ટથી આત્મનિર્ભરતાના અભિયાનને બળ મળી રહ્યું છે. દેશમાં પ્રથમ વાર આવા બાય પ્રોડક્ટ પ્રોસેસિંગનું ૧૫ ક્રિયાનું ૧૫ ક્રિયાન થયા છે. આ મૂળ પછી અને ચોખ્ખાથી ક્રિયાન કિંમત કરતાં પણ વધુ છે. ડેરી સંકટનાં સોથી વધુ લાભ નાના ખેડૂતોને થયે છે. પશુપાલન કરીને જીવનારું ૧૮ ભાગ નાના ખેડૂતોની મોટી

અનુ. પાન.. (૨) ઉપર

સાંજ સમાચાર

બનાસ ડેરીની પ્રવૃતિ આત્મનિર્ભર ભારતનું ઉદાહરણઃ મોદી

બનાસડેરીની પહેલ, લોકલથી ગ્લોબલ બનાવવાની દિશામાં પગલુંઃ મોદી

બનાસકાંઠાના દિયોદરમાં ૬૦૦ કરોડના ખર્ચે બનેલા બનાસ ડેરીના નવા સંકુલ અને બટેટા પ્રોસેસીંગ પ્લાન્ટનું વડાપ્રધાનના હસ્તે ઉદઘાટનઃ બનાસની બહેનો સંતાનોની જેમ પશુઓને ઉછેરે છેઃ પીએમઃ મહિલાઓ અને ખેડૂતોને પ્રાકૃતિક ખેતી તરફ વળવા વડાપ્રધાનની હાકલ

દિયોદર તા.૧૯

વડાપ્રધાન મોદીના હસ્તે બનાસકાંઠા જિલ્લાના દિયોદર સનોદરમાં રૂા.૬૦૦ કરોડથી વધુના ખર્ચે બનેલા ડેરીના નવા સંકુલ અને બટાકા પ્રોસેસીંગ પ્લાન્ટનું ઉદઘાટન કર્યું હતું. આ પ્રસંગે મોદીએ જણાવ્યું હતું કે બનાસની બહેનો પોતાના સંતાનોની જેમ પશુઓને ઉછેરે છે. વડાપ્રધાને જણાવ્યું હતું કે બનાસ ડેરીએ ખેડૂતોને સશક્ત બનાવ્યા છે. લોકલને ગ્લોબલ બનાવવાની દિશામાં આ સારું પગલું છે.

આ અંગેની વિગત મુજબ પીએમ મોદીએ બનાસકાંઠાના દિયોદરના સનોદર ખાતે ૩૦ લાખ લીટરની દૂધની ક્ષમતા ધરાવતા પ્લાન્ટનું ઉદઘાટન કર્યું હતું. ૬૧૦ કરોડ રૂપિયાના ખર્ચે તૈયાર થયેલા ફુલ્લી ઓટોમેટેડ સનાદર ડેરી પ્લાન્ટમાં દરરોજ ૪૮ ટન બટાકાના પ્રોસેસીંગની ક્ષમતા થઈ શકે તેવા પ્લાન્ટનું ઉદઘાટન થયું હતું.

આ તકે મોદીએ વધુમાં જણાવ્યું હતું કે બનાસ ડેરીએ દૂધ અને બટેટાનો સંગમ કરાવ્યો છે. બનાસ ડેરીની સહકારી પ્રવૃતિ આત્મનિર્ભર ભારતનું ઉદાહરણ છે. સહકાર ક્ષેત્રે વિકાસની નવી યાત્રા છે. દૂધ અને બટેટાનો કોઈ મેળ નથી પણ બનાસ ડેરીએ દૂધના ઉત્પાદન સાથે બટાટાના પ્રોસેસીંગ પ્લાન્ટથી ખેડૂતોની તકદીર બદલી છે. તે મોડેલ જોઈ શકાય છે.

વડાપ્રધાને જણાવ્યું હતું કે મેં જાણ્યું છે કે બનાસકાંઠાની બહેનો પશુઓની સારસંભાળ પોતાના સંતાનોની જેમ રાખે છે. તમે જેમ સંતાનોને એકલા નથી મૂકતા તેમ પશુઓને એકલા નથી મુકતા. બનાસની બહેનોને મારા વંદન.

આ તકે વડાપ્રધાને મહિલાઓ અને ખેડૂતોને પ્રાકૃતિક ખેતી અને રિસાઈકલ કરવાની હાકલ કરી હતી. વડાપ્રધાને જણાવ્યું હતું કે નવું ડેરી સંકુલ ગ્રીન ફીલ્ડ પ્રોજેક્ટ છે, તે લગભગ ૩૦ લાખ લીટર દૂધની પ્રક્રિયાને સક્ષમ બનાવશે. લગભગ ૮૦ ટન માખણ, એક લાખ લીટર આઈસ્ક્રીમ, ૨૦ ટન કન્ડેન્સ્ડ મિલ્ક અને ૬ ટન ચોકલેટનું દૈનિક ઉત્પાદન કરશે. બટાટા પ્રોસેસીંગ પ્લાન્ટ ફ્રેન્ચ ફ્રાઈસ, પોટેટો ચિપ્સ, આલુ ટિકડી વગેરે પ્રોસેસ્ડ બટાટા ઉત્પાદનોનું ઉત્પાદન કરશે, જે અન્ય દેશોમાં વડાપ્રધાને વધુમાં જણાવ્યું હતું કે બનાસ ડેરી દેશભરમાં આવા અનેક પ્લાન્ટ સ્થાપવા જઈ રહી છે. ભારતમાં ગ્રામ્ય અર્થતંત્ર માતાઓ, બહેનોનું સશક્તિકરણ, સહકારી ચળવળ, આત્મનિર્ભર ભારત અભિયાનથી મજબૂત બની શકે.

મોદીએ જણાવ્યું હતું કે ગોબરધન દ્વારા એક સાથે અનેક લક્ષ્યો હાંસલ કરવામાં આવી રહ્યા છે. પશુપાલકોને ગાયના છાણના પૈસા મળી રહ્યા છે. બાયો સીએનજી અને વીજળી જેવા ઉત્પાદનો ગાયના છાણમાંથી તૈયાર થઈ રહ્યા છે. આ સમગ્ર પ્રક્રિયામાં ઉપલબ્ધ જૈવિક ખાતર ખેડૂતોને મદદ કરી રહ્યું છે.

આ ઉદઘાટન સમારોહમાં વડાપ્રધાન મોદીની સાથે ગુજરાતના મુખ્યમંત્રી ભુપેન્દ્ર પટેલ, ગુજરાત ભાજપ અધ્યક્ષ સી.આર.પાટીલ તેમજ બનાસ ડેરીના શંકરભાઈ ચૌધરી જોડાયા હતા. સ્થાનિક જનતાએ ઉષ્માભર્યું સ્વાગત કર્યું હતું.

સૌરાષ્ટ્ર આસપાસ

કાંકરેજ ગાય, મહેસાણી ભેંસ અને બટાકાથી બનાસકાંઠાના ખેડૂતોના નસીબ બદલાયા

બનાસમાં આજે લોકાર્પણ થયેલા અનમોલ રત્નો દેશના ચરણોમાં ધરી રહ્યો છું : વડાપ્રધાન મોદી

પીએમ મોદીએ બનાસ ડેરીના નવા પ્લાન્ટ સહિત અનેક પ્રોજેક્ટનું કર્યુ લોકાર્પણ

ન્યુઝ

ઇન બ્રિફ

દિલ્હીની સમગ્ર ટીમ ક્વોરન્ટીન, ટીમને પુણે જતી રોકી દેવાઈ

આઈપીએલ ૨૦૨૨માં પણ કોરોનાએ પગપેસારો કરી દીધો છે. અત્યારે દિલ્હી કેપિટલ્સમાં કોવિડનો બીજો કેસ સામે આવ્યો છે. તમને

ગાંધીનગર :

બનાસકાંઠામાં ડેરીની પશુપાલક બહેનોએ પીએમ મોદીને ડેરીના ઉત્પાદનની ભેટ આપી અને તેમના ઓવારણા લીધા હતા. આજે પીએમ મોદીએ બનાસકાંઠાના દિયોદરના સનોદરમાં ૩૦ લાખ લીટર દૂધની ક્ષમતા ધરાવતા પ્લાન્ટનું ઉદ્ઘાટન કરવામાં આવ્યું છે. ૧૧૦ કરોડ રૂપિયાના ખર્ચે તૈયાર થયેલા ફૂલ્લી ઓટોમેટેડ સનાદર ડેરી પ્લાન્ટમાં દરોજ ૪૮ ટન બટાકાના ઉત્પાદનની ક્ષમતાની ચીજોનું ઉત્પાદન થઈ શકે તેવા પ્લાન્ટનું પીએમ મોદીના હસ્તે ઉદ્ઘાટન થયું છે.

પીએમ મોદીએ કહ્યું, બનાસડેરીમાં આજે લોકાર્પણ થયેલા નવા પ્લાન્ટ તેમજ જુદા જુદા પ્રોજેક્ટને બનાસકાંઠા અને દેશના વિકાસ માટે મોટો ભાગ ભજવશે. હું બનાસ ડેરીના આ રત્નો આદે બનાસકાંઠાના ગુજરાતના અને દેશના ચરણોમાં અપર્ણ કરું છું. બનાસ ડેરીની સહકારી પ્રવૃત્તિ આત્મનિર્ભર ભારતનું ઉદાહરણ છે. સહકાર ક્ષેત્ર સાથે વિકાસની નવી યાત્રા છે. દૂધ અને બટેટાનો કોઈ મેળ નથી પણ બનાસ ડેરીએ દૂધ ઉત્પાદન સાથે બટાકાના ઉત્પાદનના પ્લાન્ટનું ઉદ્ઘાટન કરી અને ખેડૂતોની તકદીર બદલી શકાય એ મોડલ છે એ જોઈ શકાય છે બનાસ ડેરી બટેટાનું સારું બીજ પણ આપે છે. આત્મનિર્ભર ભારત માટે સરકાર જે અભિયાન ચલાવી રહી છે તેના માટે તમારી સંસ્થાનું મોટું યોગદાન છે. આજે બાયોગેસ અને ગોબર ગેસ પ્લાન્ટનું ઉદ્ઘાટન થઈ રહ્યું છે. ગોબર ગેસ દ્વારા એક સાથે અનેક લક્ષ્ય હાલલ થઈ રહ્યા છે. ગોબરમાંથી બાયો લીએનજી બની રહ્યો છે. બનાસકાંઠાની બહેનોને કહ્યું કે, મેં જાણ્યું છે કે તમે જે રીતે પશુઓની સાર સંભાળ રાખો છો તે સંતાનોના ઉછેર જેવી છે. તમે સંતાનોને એકલા નથી મૂકતા એમ પશુને પણ એકલા નથી મૂકતા. એના પાસચારાની સતત ચિંતા કરો છો. બનાસની બહેનોને મારા વંદન. મોદીએ જણાવ્યું કે ગાંધીનગરમાં તૈયાર કરવામાં આવેલું વિશ્વ સમીક્ષાના કેન્દ્ર ૫૦૦ કરોડ ડેટાનો અભ્યાસ કરી રહ્યો છે. આ કેન્દ્ર એટલું મજબૂત છે કે હું દેશના તમામ શિક્ષણ વિભાગના અધિકારીઓને અને ભારત સરકારના અધિકારીઓને વિનંતી કરું છું કે આ કેન્દ્રની મુલાકાત કરે અને દેશમાં અન્ય સ્તર પણ એને લાગુ કરવામાં આવે.

અકિલા

વડાપ્રધાને બનાસકાંઠાના દિયોદરમાં બનાસ ડેરી સંકુલ ખાતે વિવિધ પ્રોજેક્ટ રાષ્ટ્રને સમર્પિત કર્યા

હવે દિલ્હીથી નીકળેલા ૧ રૂપિયાના સોએ સો પૈસા લોકો સુધી પહોંચે છે

ડેરી ઉદ્યોગનો સૌથી વધુ ફાયદો નાના ખેડૂતોને મળે છે: વડાપ્રધાને ડેરી પ્લાટનું નિરિક્ષણ કર્યુ: બટેટામાંથી ચિપ્સ બનતી નિહાળી

વડાપ્રધાન નરેન્દ્રભાઇ મોદીનું ઉદ્દબોધન

ભૂપેન્દ્રભાઇ મૃદુ અને મક્કમ: શંકર ચૌધરી ઉર્જાવાન સાથી

બનાસકાંઠા જિલ્લાના દિયોદર પાસે બનાસ ડેરીના નવા પ્લાન્ટનું ઉદ્દઘાટન વડાપ્રધાન શ્રી નરેન્દ્રભાઇ મોદીના હસ્તે કરાવેલ. આ પ્રસંગે મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્રભાઇ પટેલ, પ્રદેશ ભાજપ પ્રમુખ સી. આર. પાટીલ, ડેરીના ચેરમેન શંકર ચૌધરી વગેરે ઉપસ્થિત રહ્યા હતાં. (૫-૨૬)

સંદેશ

બનાસકાંઠાના દિયોદર ખાતે બનાસડેરી સંકૂલ, પોટેટો પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટ, કોમ્યુનિટી રેડિયો સ્ટેશનનું લોકાર્પણ

મહિલા સશક્તીકરણથી આત્મનિર્ભરતા : મોદી

નાના ખેડૂતોની મોટી ચિંતા કરવાનું, તેમની જવાબદારી લેવાનું કામ સરકારે કર્યું છે | બનાસડેરીનો લાભ સોમનાથથી જગન્નાથ સુધીના પશુપાલકોને મળે છે : વડાપ્રધાન | લોકલ પ્રોડક્ટ ગ્લોબલ બનવાથી ખેડૂતોની આવક વધે છે તે બનાસડેરીએ સિદ્ધ કર્યું | જિલ્લાદીઠ ૭૫ તળાવના નિર્માણ દ્વારા જળસંગ્રહ કરવાનું આહ્વાન વડાપ્રધાને કર્યું

મંગળવારે બનાસકાંઠા જિલ્લાના દિયોદર ખાતે બનાસડેરી સંકુલની મુલાકાત દરમિયાન વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ ઉપસ્થિત મહિલા પશુપાલકોના પ્રતિભાવથી ગદગદિત થઈ તેમને વંદન કર્યાં હતા. આ સાથે જ તેમણે ૬૦૦ કરોડના ખર્ચે તૈયાર કરાયેલા સંકુલ અને પોટેટો પ્રોસેસિંગ યુનિટનું ઉદ્ઘાટન કરી તેની મુલાકાત પણ લીધી હતી

: દિયોદર, પાલનપુર :

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ મહિલા સશક્તીકરણને બિરદાવતા જણાવ્યું હતું કે આત્મનિર્ભરતાનો રસ્તો તે મારફતે જ જાય છે. ગામીણ અર્થતંત્રને મહિલા જ ગતિશિલ રાખે છે. બનાસકાંઠા જિલ્લાના દિયોદર ખાતે ૯૦૦ કરોડના ખર્ચે તૈયાર કરાયેલા બનાસડેરી સંકુલ, પોટેટો પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટ તથા બનાસ રેડિયોનું લોકાર્પણ કરતા વડાપ્રધાને કહ્યું હતું કે દેશમાં સહકારી અભિયાનથી આત્મનિર્ભરતા ઝુંબેશને બળ મળી રહ્યું છે. દેશમાં વર્ષે સાડા આઠ લાખ કરોડ રૂપિયાનું દૂધ ઉત્પાદન થાય છે. તેનું મૂલ્ય દૂધ અને ચોખાની ઉત્પાદન કિંમત કરતાં પણ વધુ છે. ડેરી ક્ષેત્રથી સૌથી વધુ લાભ નાના ખેડૂતોને મળ્યો છે. નાના ખેડૂતોની મોટી ચિંતાનું કામ સરકારે કર્યું છે. વડાપ્રધાને જણાવ્યું હતું કે બનાસ ડેરીના પ્રકલ્પોના લાભ સોમનાથની ધરતી ગુજરાતથી જગન્નાથની ધરતી ઓરિસ્સા સુધીના પશુપાલકોને મળી રહ્યા છે. ઉત્તર ગુજરાતની સહકારી ક્ષેત્રની બનાસ ડેરીએ ઓછા વરસાદવાળા જિલ્લામાં બનાસકાંઠામાં કાંકરેજ ગાય, મહેસાણી ભેસ અને બટાટા ઉત્પાદનથી લોકોની તકદીર બદલવાનું સકળ મોડેલ પૂરું પાડ્યું છે. તેમજ લોકલ પ્રોડક્ટને ગ્લોબલ બનાવવા સ્થાનિક ખેડૂતોની આવક વધારવા અન્ય સંસાધનોનો પણ ઉપયોગ થઈ શકે તે બનાસ ડેરીએ સિદ્ધ કર્યું છે. તેમજ જિલ્લાના ખેડૂતોએ મધ ઉછેર વ્યવસાય અપનાવી સ્વીટ રિવોલ્યુશનમાં સહભાગીતા કરી છે તેનો ઉલ્લેખ કરતાં કર્યું કે મગફળી અને સરસવમાંથી ખાદ્યતેલ બનાવવાના પ્લાન્ટથી અહીંના ખેડૂતો ખાદ્યતેલ ક્ષેત્રે આત્મનિર્ભરતા જોડી છે. બનાસકાંઠાના લોકો જેને સમજી સ્વીકારી લે તેને કયારેય છોડે નહીં. પ્રધાનમંત્રીએ આઝાદીના અમૃત મહોત્સવ વર્ષે જિલ્લાદીઠ ૭૫ તળાવના નિર્માણ દ્વારા વરસાદી પાણીના સંગ્રહ-સંચય કરી ધરતી માતાને અમૃતમય બનાવવાનું આહવાન કર્યું હતું. મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્રભાઈ પટેલે જણાવ્યું હતું કે સરદાર પટેલના દ્રષ્ટિવંત આયોજનની છાપ આજની દૂધ સહકાર ચળવળમાં દેખાય છે અને આપણા વડાપ્રધાને ભારતને પાંચ ટ્રિલિયન ડોલર ઈકોનોમી બનાવવા સાથે ભારતને આત્મનિર્ભર બનાવવા કરેલો સંકલ્પ સાકાર કરવા બનાસ ડેરી પથદર્શક બનશે. પ્રદેશ ભાજપ પ્રમુખ સી.આર. પાટિલે જણાવ્યું હતું કે બનાસકાંઠા વિસ્તારની દૂધ ઉત્પાદક મહિલાઓએ દૂધ ઉત્પાદનના નવા આયામ પ્રસ્થાપિત કર્યા છે.

બનાસ રેડિયો સાથે પાંચ લાખથી વધુ ખેડૂતો જોડાશે

વડાપ્રધાન નરેન્દ્રભાઈ મોદીએ બનાસ કોમ્યુનિટી રેડિયો સ્ટેશન પણ રાષ્ટ્રને અર્પણ કર્યું છે. આ સામુદાયિક રેડિયો સ્ટેશન ખેડૂતોને કૃષિ અને પશુપાલન સબંધિત મહત્વપૂર્ણ વૈજ્ઞાનિક માહિતી પુરી પાડવાના ઉદ્દેશથી શરૂ કરવામાં આવ્યો છે. જે રેડિયો સ્ટેશન સાથે ૧૭૦૦ જેટલા ગામડાના લગભગ પાંચ લાખ કરતા વધારે ખેડૂતો જોડાશે જેવી અપેક્ષા છે. તેમણે મુલાકાત દરમિયાન ખીમાના, રતનપુરા-ભીલડી, રાધનપુર અને થાવર ખાતે ૧૦૦ ટનની ક્ષમતાવાળા ચાર ગોબરગેસ પ્લાન્ટના નિર્માણ માટે શિલાન્યાસ કર્યો હતો. આ પ્લાન્ટ કચરામાંથી કંચન બનાવશે જેનાથી સ્વસ્થતા અને સ્વચ્છતાના સંકલ્પ સાકાર થશે. પશુપાલકોને ગોબરધનમાંથી રૂપિયા મળશે

તમારા આશીર્વાદ મારા માટે અનમોલ આશીર્વાદ, હું બનાસની સૌ માતાઓને નમન કરું છું : મોદી

પડ્યો બોલ ઝીલનારી મહેનતકશ બહેનોનાં ઓવારણાં જોઈ PM મોદીની આંખો ભરાઈ

શંકર ચૌધરીએ કહ્યું- તમે વિઝન આપીને બનાસકાંઠાની બહેનોનું માન વધાર્યું

: ગાંધીનગર :

બનાસડેરીના ચેરમેન શંકર ચૌધરીએ દોઢ-બે દાયકા પહેલાના સુકાબદ્ધ અને કાળની થપાટે સાવ પછાત બનાસકાંઠાને નરેન્દ્ર મોદીએ વિઝન આપીને મહેનતકશ પશુપાલકોનું માન વધાર્યાનું કહેતા મહિલાઓને તેમના ઓવરણાં લેવા કહ્યું હતું. આ ક્ષણના દૃશ્યો જોઈને વડાપ્રધાન ભાવુક થઈ ઉઠ્યા હતા. તેમની આંખો ભરાઈ આવી હતી.

બાદમાં વડાપ્રધાન મોદીએ પોતાના સંબોધનમાં કહ્યું કે, મારા જીવનમાં પહેલીવાર એક સાથે દોઢથી બે લાખ માતાઓ- બહેનોએ આજે આશીર્વાદ આપ્યા છે. તમે મારા ઓવારણાં લેતા હતા ત્યારે હું મારા મનની ભાવનાઓને રોકી શક્યો નથી. માં જગદંબાની આ ભૂમિની માતાઓના આશીર્વાદ મારા માટે અનમોલ આશીર્વાદ છે. હું બનાસની સૌ માતાઓને નમન કરું છું. બનાસકાંઠામાં દુખણા લેવાની ધરંપરાને હુમણાં કહે છે. પશુપાલક બહેનોએ મોદીના માથેથી ઓવારણાં લેતા માં જગદંબા તેમને દેશની સેવા કરવા વધુને વધુ શક્તિ આપે તેવી પ્રાર્થના કરી હતી. દિયોદરના મહિલા સંમેલનમાં શંકર ચૌધરીએ વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીને ઉદેશીને કહ્યું કે, જ્યારે પણ તમે અહીં આવ્યા ત્યારે કંઈકને કંઈક નવું વિઝન આપ્યું છે. દૂધ, ખેતી, ગોબર, બટાકા, મધ જેવા અનેક પ્રોજેક્ટમાં વેલ્યુએડિશનના તમારા વિઝનથી અમારી મહેનતકશ બહેનો, પશુપાલકો, ખેડૂતોએ નફો વધાર્યો છે. વર્ષો પહેલા અમે ખેતી માટે વીજળી, પાણી માટે આંદોલન કરતા ત્યારે તમે અમને કહ્યું હતું કે, તમારી લાઈટ નથી. પાણી છે પાણી. તેને ઉકેલવા ડ્રીપ અને સ્પિકલર સિંચાઈમાં જવું પડશે. આજે તે સાચું ઠર્યું છે. આજે દેશમાં ટપક અને ફુવારા સિંચાઈથી દેશમાં સૌથી વધુ ખેત ઉત્પાદન લઈએ છીએ.

મધકાંતિથી અનેક પરિવાર રૂ. ૪૦ લાખનું મધ ભરે છે

મધકાંતિમાં કેટલાય એવા પરિવારો છે કે જે રૂપિયા ૩૦થી ૪૦ લાખનું મધ ભરાવે છે. ગોબર ગેસમાં તમારા વિઝનથી આજે ગાડીઓ CNGમાં ફરે છે. મગફળીનું તેલ, બટાકા પ્રોસેસિંગ, છાશની આશમાંથી પ્રોટીન એ પણ તમારું વિઝન છે જેની રોયલ્ટી ગણીએ તોય કરોડોની થાય જેનાથી તમે બનાસનું માન વધાર્યું છે

India tops in global milk production: PM

TURNOVER HIGHER THAN WHEAT AND RICE OUTPUT

First India Bureau

Banaskantha: Prime Minister Narendra Modi on Tuesday said India produces milk worth Rs8.5 lakh crore annually, more than the turnover of wheat and rice, and underlined that small farmers–especially women–are the biggest beneficiaries of the dairy sector.

In a veiled dig at the Congress, Modi said a former prime minister used to say that only 15 paise out of one rupee reaches (the beneficiaries) after leaving Delhi, but he ensures that the entire 100 paise reaches the intended beneficiaries and gets deposited into the account of farmers.

Modi was addressing a gathering at Diyodar in the Banaskantha district after inaugurating a new dairy complex and a potato processing plant of the Banas Dairy.

"Today, India is the world's largest producer of milk. When the livelihood of crores of farmers depends on milk, India produces milk worth Rs8.5 lakh crore annually. This is something that many, including renowned economists, fail to pay attention to. Against this, even the turnover of wheat and rice is not Rs8.5 lakh crore. And small farmers are the biggest beneficiaries of the dairy sector," Modi said.

PM Modi addressed a gathering (top) in Banaskantha, where (bottom) people came out in large numbers to welcome him on Tuesday —PHOTOS BY ANI

He also inaugurated and laid the foundation stones for a host of other projects of the Banas Dairy.

"The biggest beneficiaries of the dairy sector are small farmers, who hold no more than two- five bigha land and suffer from scanty rainfall and the lack of (irrigation) water. They take care of their families by raising cattle," he said.

PM Modi being briefed during his visit to Banas Dairy Sankul

Banas Dairy is said to be one of the leading milk production manufacturing companies in Asia.

The prime minister said that his government has always cared about farmers with small landholdings by ensuring their well-being.

"After going to Delhi (after becoming PM in 2014), I took on the responsibilities of small farmers across the country. And today, I transfer Rs2,000 directly into the bank accounts of farmers three times in a year," he said.

Addressing women dairy farmers on the occasion, Modi said that Banas Dairy is an example of how a cooperative movement can strengthen the economy of a village and empower women, in turn strengthening the campaign for an "Aatmanirbhar Bharat".

He also praised the women of Banaskantha for the way they care about their cattle with more affection even than their children.

The prime minister also dedicated to the nation the Banas Community Radio Station and the expanded facilities for the production of cheese products and whey powder at Palanpur, and organic manure and biogas plant.

He also laid the foundation stone of four gobar gas plants of 100-tonne capacity which are to be established at four different places.

PM Modi inaugurates new dairy complex, potato processing plant in Banaskantha

PM Modi at the potato processing plant on Tuesday

Banaskantha: Prime Minister Narendra Modi on Tuesday inaugurated and visited the new dairy complex and potato processing plant at Diyodar in Gujarat's Banaskantha district, built at a cost of over Rs600 crore.

The new dairy complex is a greenfield project and will enable the processing of about 30 lakh litres of milk, produce about 90 tonnes of butter, one lakh litres of ice cream, 20 tonnes of Khoya and 6 tonnes of chocolate daily.

The potato processing plant will produce different types of processed potato products like French fries, potato chips, aloo tikki, patties etc, many of which will be exported to other countries.

These plants will empower the local farmers and give a boost to the rural economy in the region.

લોકસત્તા જનસત્તા

બનાસ ડેરી ખેડૂતો અને સ્ત્રીઓને સશક્ત બનાવવાનું હબ બની ગઈ છેઃ વડાપ્રધાન

ડિયોદર,તા.૧૯

છેલ્લા ઘણા વર્ષોમાં, બનાસ ડેરી સ્થાનિક સમુદાયો, ખાસ કરીને ખેડૂતોને અને સ્ત્રીઓને સશક્ત બનાવવાનું હબ બની ગઈ છે. મને ખાસ કરીને ડેરીના નવીન ઉત્સાહ પર ગર્વ છે જે તેમના વિવિધ ઉત્પાદનોમાં જોવા મળે છે, એમ પ્રધાનમંત્રી નરેન્દ્ર મોદીએ બનાસકાંઠાના ડિયોદર ખાતે રૂ. ૧૦૦ કરોડથી વધુના ખર્ચે બનેલ નવું ડેરી સંકુલ અને બટાટા પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટ રાષ્ટ્રને સમર્પિત કરતા સમયે તેમના સંબોધનમાં કહ્યું હતું. નવું ડેરી સંકુલ ગ્રીનફિલ્ડ પ્રોજેક્ટ છે. તે લગભગ ૩૦ લાખ લિટર દૂધની પ્રક્રિયાને સક્ષમ બનાવશે, લગભગ ૮૦ ટન માખણ, એક લાખ લિટર આઈસ્ક્રીમ, ૨૦ ટન કન્ડેન્સ્ડ મિલ્ક (ખોયા) અને ૯ ટન ચોકલેટનું દૈનિક ઉત્પાદન કરશે. બટાટા પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટ કેન્દ્ર ફ્રાઈસ, પોટેટો ચિપ્સ, આલુ ટિક્કી, પેટીસ વગેરે જેવા વિવિધ પ્રકારના પ્રોસેસ્ડ બટાટા ઉત્પાદનોનું ઉત્પાદન કરશે, જેમાંથી વધારી પ્રોડક્ટ અન્ય દેશોમાં

નિકાસ કરવામાં આવશે. આ પ્લાન્ટ સ્થાનિક ખેડૂતોને સશક્ત બનાવશે અને પ્રદેશમાં ગ્રામીણ અર્થતંત્રને વેગ આપશે. પ્રધાનમંત્રીએ બનાસ કોમ્યુનિટી રેડિયો સ્ટેશન પણ રાષ્ટ્રને સમર્પિત કર્યું. આ કોમ્યુનિટી રેડિયો સ્ટેશનની સ્થાપના ખેડૂતોને કૃષિ અને પશુપાલન સંબંધિત મુખ્ય વૈજ્ઞાનિક માહિતીની પૂરી પાડવા માટે કરવામાં આવી છે. એવી અપેક્ષા છે કે રેડિયો સ્ટેશન લગભગ ૧૭૦૦ ગામોના ૫ લાખથી વધુ ખેડૂતો સાથે જોડાશે.

પ્રધાનમંત્રીએ પાલનપુરમાં બનાસ ડેરી પ્લાન્ટમાં ચીઝ ઉત્પાદનો અને છાશ પાવડરના ઉત્પાદન માટેની વિસ્તૃત સુવિધાઓ રાષ્ટ્રને સમર્પિત કરી હતી. તેમજ, પ્રધાનમંત્રીએ ગુજરાતના દાંતા ખાતે સ્થાપિત ઓર્ગેનિક ખાતર અને બાયોગેસ પ્લાન્ટ રાષ્ટ્રને સમર્પિત કર્યો હતો. પ્રધાનમંત્રીએ ખીમાણા, રતનપુરા-ભીલડી, રાપનપુર અને થાવર ખાતે સ્થાપિત થનાર ૧૦૦ ટન ક્ષમતાના ચાર ગોબર ગેસ પ્લાન્ટનો શિલાન્યાસ પણ કર્યો હતો. મોદીએ કહ્યું, "હું બનાસકાંઠાના લોકોને તેમની મહેનત અને સ્થિતિસ્થાપકતાની ભાવના માટે બિરદાવવા માંગુ છું. આ જિલ્લાએ જે રીતે કૃષિ ક્ષેત્રે આગેકૂચ કરી છે તે પ્રશંસનીય છે. ખેડૂતોએ નવી ટેકનોલોજી અપનાવી, જળ સંરક્ષણ પર ધ્યાન કેન્દ્રીત કર્યું અને પરિણામો બધાને જોવા જેવા છે." આજે બોલતા પ્રધાનમંત્રીએ મા અંબાજીની પવિત્ર ભૂમિને નમન કરીને શરૂઆત કરી હતી. તેમણે બનાસની મહિલાઓના આશીર્વાદની નોંધ લીધી અને તેમની અદમ્ય ભાવના માટે તેમનો આદર વ્યક્ત કર્યો. પ્રધાનમંત્રીએ કહ્યું કે, અહીં, કોઈ વ્યક્તિ સીધી રીતે અનુભવી શકે છે કે ગામડાની અર્થવ્યવસ્થા અને ભારતમાં માતાઓ અને બહેનોનું સશક્તિકરણ કેવી રીતે મજબૂત થઈ શકે છે અને સહકારી ચળવળ કેવી રીતે આત્મનિર્ભર ભારત અભિયાનને બળ આપી શકે છે. તેમણે જણાવ્યું હતું કે બનાસ ડેરી કોમ્પ્લેક્સ, ચીઝ અને વ્હે પ્લાન્ટ, જે તમામ ડેરી ક્ષેત્રના વિસ્તરણમાં મહત્વપૂર્ણ છે, બનાસ ડેરીએ એ પણ સાબિત કર્યું છે કે અન્ય સંસ્થાઓનો ઉપયોગ પણ વિકાસ માટે કરી શકાય છે અને સ્થાનિક ખેડૂતોની આવક વધારી શકાય છે" તેમણે કહ્યું કે બટાટા, મધ અને અન્ય સંબંધિત ઉત્પાદનો ખેડૂતોનું ભાગ્ય બદલી રહ્યા છે.

સંદેશ

તમારા આશીર્વાદ મારા માટે અનમોલ આશીર્વાદ, હું બનાસની સૌ માતાઓને નમન કરું છું : મોદી

પડ્યો બોલ ઝીલનારી મહેનતકશ બહેનોનાં ઓવારણાં જોઈ PM મોદીની આંખો ભરાઈ

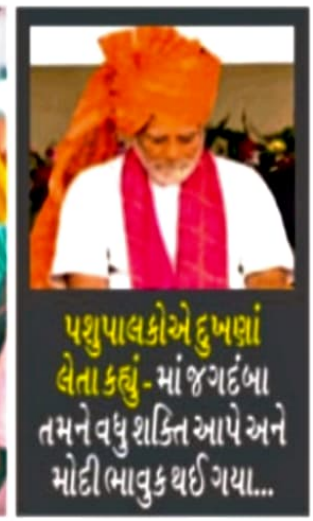

પશુપાલકોએ દુખણાં લેતા કહ્યું - માં જગદંબા તમને વધુ શક્તિ આપે અને મોદી ભાવુક થઈ ગયા...

શંકર ચૌધરીએ કહ્યું- તમે વિઝન આપીને બનાસકાંઠાની બહેનોનું માન વધાર્યું

। ગાંધીનગર ।

બનાસડેરીના ચેરમેન શંકર ચૌધરીએ દોઢ-બે દાયકા પહેલાના સુક્કાભઠ્ઠ અને કાળની થપાટે સાવ પછાત બનાસકાંઠાને નરેન્દ્ર મોદીએ વિઝન આપીને મહેનતકશ પશુપાલકોનું માન વધાર્યાનું કહેતા મહિલાઓને તેમના ઓવરણાં લેવા કહ્યું હતું. આ સમગ્ર દૃશ્યો જોઈને વડાપ્રધાન ભાવુક થઈ ઉઠ્યા હતા. તેમની આંખો ભરાઈ આવી હતી.

બાદમાં વડાપ્રધાન મોદીએ પોતાના સંબોધનમાં કહ્યું કે, મારા જીવનમાં પહેલીવાર એક સાથે દોઢથી બે લાખ માતાઓ- બહેનોએ આજે આશીર્વાદ આપ્યા છે. તમે મારા ઓવારણાં લેતા હતા ત્યારે હું મારા મનની ભાવનાઓને રોકી શક્યો નથી. માં જગદંબાની આ ભૂમિની માતાઓના આશીર્વાદ મારા માટે અનમોલ આશીર્વાદ છે. હું બનાસની સૌ માતાઓને નમન કરું છું. બનાસકાંઠામાં દુખણા લેવાની પરંપરાને હુમણાં કહે છે. પશુપાલક બહેનોએ મોદીના માથેથી ઓવારણાં લેતા માં જગદંબા તેમને દેશની સેવા કરવા વધુને વધુ શક્તિ આપે તેવી પ્રાર્થના કરી હતી. દિયોદરના મહિલા સંમેલનમાં શંકર ચૌધરીએ વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીને ઉદેશીને કહ્યું કે, જ્યારે પણ તમે અહીં આવ્યા ત્યારે કંઈકને કંઈક નવું વિઝન આપ્યું છે. દૂધ, ખેતી, ગોબર, બટાકા, મધ જેવા અનેક પ્રોજેક્ટમાં વેલ્યૂએડિશનના તમારા વિઝનથી અમારી મહેનતકશ બહેનો, પશુપાલકો, ખેડૂતોએ નફો વધાર્યો છે. વર્ષો પહેલા અમે ખેતી માટે વીજળી, પાણી માટે આંદોલન કરતા ત્યારે તમે અમને કહ્યું હતું કે, તમારી લાઈટ નથી. પાણી છે પાણી. તેને ઉલેચવા ડ્રીપ અને સ્પ્રિંકલર સિંચાઈમાં જવું પડશે. આજે તે સાચું ઠર્યું છે. આજે દેશમાં ટપક અને ફુવારા સિંચાઈથી દેશમાં સૌથી વધુ ખેત ઉત્પાદન લઈએ છીએ.

મધકાંતિથી અનેક પરિવાર રૂ. ૪૦ લાખનું મધ ભરે છે

મધકાંતિમાં કેટલાય એવા પરિવારો છે કે જે રૂપિયા ૩૦થી ૪૦ લાખનું મધ ભરાવે છે. ગોબર ગેસમાં તમારા વિઝનથી આજે ગાડીઓ CNGમાં ફરે છે. મગફળીનું તેલ, બટાકા પ્રોસેસિંગ, છાશની આશમાંથી પ્રોટીન એ પણ તમારું વિઝન છે. જેની રોયલ્ટી ગણીએ તોય કરોડોની થાય. જેનાથી તમે બનાસનું માન વધાર્યું છે.

‘સ્ત્રી સુરક્ષા માટે પહેલાં સોનું જ હતું, અમે ખેતર નામે થાય તેવો રસ્તો કર્યો’

નારીશક્તિ સંવાદ કાર્યક્રમમાં પીએમ : ૨૨ વર્ષના ગુજરાતી યુવાનોને ખબર જ નહીં હોય કે પહેલાં રાજ્યમાં અંધારું રહેતું હતું

| અમદાવાદ |

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ બનાસડેરીની મુલાકાત દરમિયાન બહેનો સાથે સંવાદ કર્યો હતો, જેમાં બહેનો માટે સરકારે કરેલાં કામોની વાત કરતાં તેમણે જણાવ્યું હતું કે, પહેલા બહેનોની સુરક્ષા માટે સોનું જ એક માત્ર વિકલ્પ હતો. કેમ કે ઘર, દુકાન હોય કે મોટર હોય તમામ પતિ કે દીકરાના નામે જ હોય, પરંતુ અમારી સરકારે બહેનોના નામે ખેતર કરાવો તો સ્ટેમ્પ ડ્યૂટીમાં રાહત આપવાનું શરૂ કર્યું. પ્રધાનમંત્રી આવાસ યોજનામાં પણ બહેનોના નામે જ મકાનો આપવાનું નક્કી કરાયું છે. જો કે ગુજરાતમાં અત્યારે ૨૨ વર્ષના યુવાનો હશે તેમને એ ખબર જ નહીં હોય કે પહેલા ગુજરાતમાં અંધારું રહેતું હતું.

નારીશક્તિ સાથે સંવાદના કાર્યક્રમમાં મોદીએ જ્યારે પૂછ્યું કે ૨૦ થી વધારે ભેંસો હોય તેવું કોઈ છે? ત્યારે હાજર એક મહિલાએ કહેલું કે તેમને ૪૫ ગાયો અને ૮૫ ભેંસો છે, જેના થકી તેઓ ડેરીમાં ૩.૧૨ કરોડનું દૂધ ભરે છે. ત્યારે હાજર એક મહિલાએ બનાસડેરી દ્વારા પશુઓ માટે ચાલતી એમ્બ્યુલન્સ સેવા કોન કર્યાના આડાપો કલાકમાં આવી જતી હોવાનું કહી પ્રશંસા કરી હતી. એટલે પીએમ મોદીએ કહેલું કે, આપણી સરકારે કોરોનાકાળમાં જેમ લોકોની ચિંતા કરીને વિનામૂલ્યે રસીકરણ કર્યું, તે જ રીતે પશુઓને પણ વિવિધ રોગથી બચાવવા તેનું પણ રસીકરણ થાય છે. તમે પણ નિયમિત પશુઓનું રસીકરણ કરાવજો. ઉપરાંત ટપક સિંચાઈ પદ્ધતિમાં બનાસકાંઠા પહેલા નંબરે આવી ગયું તે બદલ અભિનંદન આપવાની સાથે તેમણે બનાસકાંઠા ઉપર નર્મદા માતાની કૃપા હોવાનું પણ કહ્યું હતું. આઝાદીના અમૃત મહોત્સવ અંતર્ગત દરેક જિલ્લામાં ૭૫ મોટા તળાવો બનાવાશે. આ તળાવોમાં ૪થી ૮ મહિના પાણી રહેશે તો પણ પાણીના તળ ઊંચા આવશે. પાણીના તળ ઊંચા લાવવા આ જ એક ઉપાય છે.

‘તડકામાં કોઇ માઠું પડ્યું તો તમારું નામ આવશે’

મહિલાઓ સાથે સંવાદ દરમિયાન પીએમ મોદી હળવા મૂડમા મજાક પણ કરતા જોવા મળ્યા હતા. તેમણે મહિલાઓને સંબોધીને કહેલું કે ગઇકાલે મેં એક વીડિયો જોયો તેમાં કાર્યક્રમ માટે મહિલાઓ ગામેગામ ટ્રેક્ટરમા બેસીને નિમંત્રણ આપવા નીકળી હતી. આ તડકામા બાધાને લાવા છો, કોઇ માઠું પડ્યું તો તમારા માથી આવશે. કહેતા મહિલાઓમા હાસ્યનુ મોજું ફરી વળ્યુ હતું

જ્યારે એક મહિલાએ જણાવેલું કે પહેલા ડુંગરો ઉપર ફરીને લાકડા એકઠા કરીને કલાકો બાદ જમવાનું બનાવતા હતા. પરંતુ સરકારી યોજનામાં અમને ગેસ મળ્યો. એટલે અમે કલાકોના કામ માત્ર ૧૦ મિનિટમાં પૂર્ણ કરીએ છીએ. ત્યારે પીએમએ જણાવ્યું હતું કે, હવે તો ગોબરગેસના પ્લાન્ટ આવવાના છે. એટલે ગોબરમાંથી પણ કમાણી થવાની છે. તમારી તો પાંચેય આંગળીઓ ઘીમાં છે. છેલ્લે આવજો કહેતા કહેતા પીએમએ મહિલાઓને સલાહ આપી હતી કે દીકરીઓને ખાસ ભણાવજો.

ગુજરાત મિત્ર

દેશમાં ઘઉં-ચોખા કરતા દૂધનું ટર્નઓવર વધારે: મોદી

દિયોદર ખાતે 600 કરોડના ખર્ચે નિર્માણ કરવામાં આવેલું ગ્રીન ફિલ્ડ ડેરી સંકુલ અને બટાકા પ્રસંસ્કરણ પ્લાન્ટ વડાપ્રધાને રાષ્ટ્રને સમર્પિત કર્યો

ખેડૂતો અને પશુપાલકોની વિશાળ મેદનીને મોદીએ સંબોધન કર્યું

ગાંધીનગર, તા. 19 : વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ આજે બનાસકાંઠાના દિયોદર ખાતે 600 કરોડના ખર્ચે નિર્માણ કરવામાં આવેલું ગ્રીન ફિલ્ડ ડેરી સંકુલ અને બટાકા પ્રસંસ્કરણ પ્લાન્ટ રાષ્ટ્રને સમર્પિત કર્યો હતો. આ પ્રસંગે વડાપ્રધાન મોદીએ જણાવ્યું હતું કે કે, દેશમાં કો-ઓપરેટિવ મુવમેન્ટથી આત્મનિર્ભરતાના અભિયાનને બળ મળી રહ્યું છે. દેશમાં વર્ષે સાડા આઠ લાખ કરોડ રૂપિયાનું દૂધ ઉત્પાદન થાય છે. આ મૂલ્ય ઘઉં અને ચોખાની ઉત્પાદન કિંમત કરતાં પણ વધુ છે અને ભારત વિશ્વમાં સૌથી મોટો દૂધ ઉત્પાદક દેશ છે.

તેમણે કહ્યું હતું કે ડેરી સેક્ટરનો સૌથી વધુ લાભ નાના ખેડૂતોને મળે છે. પશુપાલન કરીને પરિવારનું પેટ ભરતા નાના ખેડૂતોની મોટી ચિંતા કરવાનું કામ સરકારે કર્યું છે. આવા ખેડૂતોને વર્ષમાં ૩ વાર બે-બે હજાર રૂપિયા સીધા જ તેમના બેંક ખાતામાં ભારત સરકાર આપે છે. વડાપ્રધાન મોદીએ બનાસકાંઠાના દિયોદરમાં બનાસ ડેરી સંકુલની મુલાકાત પણ લીધી હતી. મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્ર પટેલ પણ વિશેષ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. મોદીએ બનાસ ડેરીના વિવિધ બહુહેતુક પ્લાન્ટ્સના લોકાર્પણ અને ખાતમહૂર્ત પ્રસંગે ખેડૂતો-પશુપાલકોને સંબોધન કરતા કહ્યું કે, "હું તમારો અનન્ય સાથી છું અને તમારી પડખે રહી કામ કરવા માગું છું." તેમણે વધુમાં કહ્યું હતું કે ઉત્તર ગુજરાતની સહકારી ક્ષેત્રની બનાસ ડેરીએ ઓછા વરસાદવાળા જિલ્લા બનાસકાંઠામાં કાંકરેજ ગાય.

...અનુસંધાન પાના 9 પર

તસવીર: જનક પટેલ, અમદાવાદ

મોદી અને મોરેશિયસના વડાપ્રધાનનો એરપોર્ટથી ઇન્દિરા બ્રિજ સુધીનો ભવ્ય રોડ-શો

બંને વડાપ્રધાનોને આવકારવા-જોવા માટે મોટી સંખ્યામાં લોકો ઉમટી પડ્યા

ગરબા, આદિવાસી નૃત્ય અને લોક સંગીતની રમઝટ સાથે બંને નેતાઓએ અભિવાદન ઝીલ્યું

અમદાવાદ: વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી જામનગરથી સીધા અમદાવાદ વિમાની મથક ખાતે આવી પહોંચ્યા હતા. જ્યારે મોરેશિયસના વડાપ્રધાન પ્રવિંદ જુગનાથ અમદાવાદ વિમાની મથક ખાતે આવી પહોંચતા બંને દેશના વડાપ્રધાનનો રોડ- શો યોજાયો હતો. અમદાવાદ વિમાની મથકેથી ઇન્દિરા બ્રિજ સર્કલ સુધીના રોડ-શોમાં ગુજરાતના વિશ્વવિખ્યાત એવા ગરબા, ભારતીય સંસ્કૃતિની ઝાંખી કરાવતા વિવિધ લોક સંગીત, સાથેના લોક નૃત્યો,

...અનુસંધાન પાના 9 પર

પશુપાલક બહેનોએ ઓવારણા લેતા મોદી ભાવુક થઇ ગયા

દિયોદર સંખ્યામાં ઉપસ્થિત બનાસકાંઠાની પશુપાલક માતા-બહેનોએ વડાપ્રધાનના ઓવારણા લઇ તેમને આશીર્વાદ આપ્યા હતા. વડાપ્રધાને માતૃ શક્તિના આ આશીર્વાદ તેમને નવું બળ પૂરે પાડશે તેમ ભાવવિભોર થતાં જણાવ્યું હતું. એક તબક્કે મોદીની આંખોમાં આસુ આવી ગયા હતા.

આ પ્લાન્ટ્સથી આ પ્રદેશમાં ગ્રામીણ અર્થતંત્રને ઘણો વેગ મળશે

બનાસકાંઠા જિલ્લાના દિયોદર ખાતે રૂપિયા 600 કરોડના ખર્ચે નવનિર્મિત ડેરી સંકુલ અને બટાટા પ્રસંસ્કરણ પ્લાન્ટ રાષ્ટ્રને સમર્પિત કર્યું છે. આ નવું તૈયાર કરવા આવેલું ડેરી સંકુલ ગ્રીનફિલ્ડ પ્રોજેક્ટ છે, તેનાથી દૈનિક ધોરણે અંદાજે 30 લાખ લીટર દૂધનું પ્રસંસ્કરણ થઇ શકશે, 80 ટન માખણનું ઉત્પાદન, એક લાખ લીટર આઇસક્રીમ, 20 ટન કન્ડેન્સ્ડ દૂધ (ખોયા) અને 6 ટન ચોકલેટનું ઉત્પાદન થઇ શકશે. બટાટા પ્રસંસ્કરણ પ્લાન્ટની મદદથી બટાટાની વિવિધ પ્રકારની પ્રસંસ્કરણ કરેલી વસ્તુઓનું ઉત્પાદન થઇ શકશે જેમાં ફ્રેન્ચ ફ્રાઇઝ, બટાટાની ચિપ્સ, આલુ ટિક્કી, પેટીસ વગેરે સામેલ છે. આમાંથી ઘણી વસ્તુઓને અન્ય દેશોમાં નિકાસ પણ કરવામાં આવશે. આ પ્લાન્ટ્સથી સ્થાનિક ખેડૂતોનું સશક્તિકરણ થશે અને આ પ્રદેશમાં ગ્રામીણ અર્થતંત્રને ઘણો વેગ મળશે.

નવગુજરાત સમય

બનાસ ડેરીના નવા ડેરી સંકુલ અને બટાકા પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટને રાષ્ટ્ર સમર્પિત કરતાં વડાપ્રધાન

‘ભલે મને દિલ્હી મોકલ્યો, પણ હું તમારા સુખ-દુઃખનો અનન્ય સાથી છું’: મોદી

નાના ખેડૂતોની મોટી જવાબદારી માથે લેવાનું કામ કેન્દ્ર સરકારે કર્યું છે: PM મોદી

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ પશુપાલક મહિલાઓની કામગીરીને બિરદાવતા જણાવ્યું કે દેશના ગ્રામીણ અર્થતંત્રમાં મહિલા સશક્તિકરણ અને રોજગારી માટે કોઓપરેટિવ મૂવમેન્ટ આત્મનિર્ભરતાને બળ આપી શકે છે

નવગુજરાત સમય > ગાંધીનગર

બનાસકાંઠા જિલ્લાના દિયોદર ખાતે ૩,૬૦૦ કરોડના ખર્ચે તૈયાર કરાયેલા દૂધ પ્રોસેસિંગ તેમજ બટાકા પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટ તથા પાલનપુરના ડેરી સંકુલના વિકાસ યોજનાઓને રાષ્ટ્રને સમર્પિત કરતા વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ બનાસની ધરતી પરથી મોટા મહિનાઓમાં જ પૂરી થયેલી આ રેલી કે મેળા ગુજરાતની જનતાને સંદેશ આપ્યો હતો કે, ‘તમે ભલે મને દિલ્હી મોકલ્યો છે, પરંતુ મેં તમને છોડ્યા નથી.’ PM મોદીએ એમ પણ કહ્યું કે, ‘હું તમારો અનન્ય સાથી છું, જેની ટીને પેલતમાં તમારો સાથી હોય, તેમ તમારા સુખ-દુઃખમાં તમારો સાથી છું.’

બનાસકાંઠાના દિયોદર ખાતે વિકાસ મહિલા દૂધ ઉત્પાદક સંમેલનના સંબોધનના આરંભમાં ‘બે ઘડા બધા બજાર!’ એમ બનાસકાંઠાની ગામઠી ભાષામાં જો સાથે સંબંધ ધરાવતા વડાપ્રધાન મોદીએ બનાસ ડેરીનું લાલ વર્ષે પૂર્ણ થયાનું જોનાર સૌ નવલકાકારને યાદ કરી નમન કર્યાં હતાં. સાથોસાથ પશુઓ માટે ત્યાગ અને તપસ્યા કરનાર મહિલાઓ બનાવોના વરસોમાં પણ વંદન કર્યાં હતાં. PM મોદીએ જણાવ્યું વખતથી દેશના ગ્રામીણ અર્થતંત્ર, મહિલાઓને આર્થિક સબળ બનાવા સાથે રોજગારીની વિપુલ તકો પેદા કરી શકાય છે અને એના થકી આત્મનિર્ભર ભારતના અભિયાનને બેઠ ઊર્જા બળ મળી શકે છે એમ બનાસ ડેરી, બનાસની સહકારી મળવર્ષે ઉજવ ઉદ્યોગના પુષ્પ પાસ્યું છે, તેમ જણાવ્યું હતું.

PM મોદીએ બનાસ ડેરીની પાછલા સાત વર્ષની વિકાસ યાત્રાને ચિરંજીવી કરી અને કહ્યું કે, બનાસ ડેરીએ નાના નાના પશુપાલક ખેડૂતોની મોટી પિતા કરી છે. બનાસ ડેરીના પ્રકલ્પોના લાભ સોમનાથની પરથી ગુજરાતથી જનનાથની પરથી ભારિલા સુધીના પશુપાલકોને મળી રહ્યા છે. પેલાં ગુજરાતની સહકારી ડેરીનો બનાસ ડેરીએ બાકોર પરસાદચાના જિલ્લા બનાસકાંઠામાં કારેજ ગામ, આસેસણી બેસ અને બટાકા ઉત્પાદનથી લોકોની તકદીર બદલવાનું લક્ષ્ય બોજ સમય કેદ સમક્ષ પૂરું પાડ્યું છે.

‘લાંબા સંઘર્ષને સોબત બનાવવા ત્યારિસ પડતાની આવક વધવા અન્ય સંકલ્પનાનો પણ ઉપયોગ થઈ શકે તે બનાસ ડેરીએ સિદ્ધ કર્યું છે,’ તેમ તેમણે ઉમેર્યું હતું. બનાસકાંઠાના બનાસ અને પાટણ કરવા સાથે અને મજબૂતી અને સરસવાણીથી ખાવતરા બનાવવાના

ખાનદરથી અહીંના પેદૂતોએ ખાવતરા કેમને આત્મનિર્ભરતા જોડી છે, એ જ રીતે સીમેન્ટ અને સોનલ મેસ ખાનગીથી ગામડાંઓમાં સમસ્યા વધારો અને પશુપાલકોને આવક થશે. આ બોડિયા આપ્યા દેશના પહોંચે તે આવશ્યક છે, તેમ તેમણે ઉમેર્યું હતું.

નકારાત્મકતાને લીધે સરહદી વિસ્તારોમાં રોજગારીની તકો પેદા થઈ

તમ મોદીએ કહ્યું કે, હું તમારી લાગણી સમજી શકું છું. ‘જેમ ભેટવામાં તમારો સ્નેહ **સમજી** શકો તેમ હું પણ તમારા સુખ-દુઃખમાં **તમારી** પડખે ઊભો રહીને કામ કરવા આવ્યું છું. હવે તો નકારાત્મકતા દૂરદિયાના ફેલ્ડ ખબરી ગયું છે. ભારતના સરહદી વિસ્તારોના વિકાસ કેવી રીતે થઇ રહ્યો છે એ જોવા તેમજ ઉદ્યોગકારો ગુજરાત દૂર પાસ્યું છે. સરહદી લોકોની રહ્યા ઘમાસાનું થયું છે, હવે નકારાત્મકતાને કે સ્થાનિક કારણો થયો છે લોકો પ્રયાસનાં કે રહ્યો રોજગારીના અવસર પેદા થયાના છે. બનાસ તમને પટણના વિકાસ્રોમાં રોજગારીની તમને તકો પેદા થશે એવો તેમણે વિશ્વાસ વ્યાકત કર્યો હતો.

...અને વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી મેદની સામે ભાવુક બની ગયા !

બનાસકાંઠામાં દિયોદર ખાતે સંબોધિત મહિલા પશુપાલકો, દૂધ ઉત્પાદક મહિલા સંમેલનમાં ઉપસ્થિત મહિલાઓને તેમની જવાબ પરથી જ બેઠા બેઠા જ્યારે વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીના સાંસ્કૃતિક ‘સોવારણ’ લીધા ત્યારે ભાવુક બની ગયા હતા. ૧૩મીફેબ્રુઆરી પણ તેના પૂર્વ વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી પણ કોટી પતી માટે ભાવુક થઇ પોતાના આસાંસુ રોકી ન શક્યા હોટી હતી મહિલાઓ સ્વભાવ માનવી હતી. બનાસ ડેરીના ચેરમેન શંકરભાઇ ચૌધરીએ બનાસકાંઠા વિસ્તારના પશુપાલકો, ખેડૂતો, દૂધ ઉત્પાદક અને પશુપાલક મહિલાઓ માટે નવા સ્વાવલંબી પ્રેરણા આપવા બદલ વડાપ્રધાન મોદીનો ખાસ ફોરાકુર્વક આભાર માન્યો હતો. સંમોલનમાં તેમણે સંબોધન કરવા ઉપસ્થિત મહિલાઓને વડાપ્રધાનના સંબોધનમાં રસ ધરાવવા કર્યું ત્યારે તમ પાસ જોવાં હતી.

ભાજપ પ્રમુખ પાટીલે રાહુલ બાબાની ચૂટકી લીધી !

ભાજપ પ્રમુખ સી.આર. પાટીલે કોંગ્રેસના રાષ્ટ્રીય નેતા રાહુલ ગાંધીની ચૂટકી લીધી હતી. રાહુલ ગાંધીને બટાટામાંથી સોનું પેદા થતા હોવાનું જોકરાભાઇ સંભળાવ્યું હતું. પાટીલે રાહુલ ગાંધી ને કોંગ્રેસનાં નાગેશ્વરીજી કર્યાં હતું કે, બનાસકાંઠાના લોકોને હવે બટાટાના રાજા ભાવ તો આવે જ, કારણ બટાટામાંથી સોનું તો નહીં નળી શકે, પરંતુ બટાટામાંથી ચિપ્સ, ફેકર્સ, પેટિસ જેવી ચીજો બનાવે તેમાંથી જે પૈસા આવશે તમને તે પૈસામાંથી સોનું જરૂરથી ખરીદી શકશે !. પાટીલે બનાસકાંઠા વિસ્તારની સાક્ષીકિતાઓ, કુદરતી મુશ્કેલીઓની વચ્ચે મહેનતકશ લોકોની પ્રશંસા કરી હતી તેમને બનાસ ડેરી દ્વારા કરાયેલા દૂધ ઉત્પાદનો ઉપરાંત વિપુલ પશુધનમાં પેદા થતા બટાટાના મૂલ્ય વૃદ્ધિયત પેદાશો થકી વિકાસલક્ષી આર્થિક ઉપાર્જનના નવા માર્ગ ખોલવા તે લોક પણ જણાવ્યું હતું.

નર્મદાના નીર એ પારસ છે પ્રસાદ સમજીને વાપરજો... 75 તળાવો બનાવવા સૂચન

મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્ર પટેલે પ્રાકૃતિક પ્રવાસમાં બનાસકાંઠા વિકાસના ખેડૂતોને પ્રાકૃતિક ખેતી માટે સમજ થવા બનાસ ડેરીના ડેરી સંકુલ ખાતે ટ્રાવેલ કર્યા બાદ મોદીએ કહ્યું કે, ‘બનાસકાંઠાના લોકો એક બનાવ પ્રાકૃતિક ખેતીથી વાવ કમાવ્યું તેથી પણ કોઇ ફીઝ લોડ્યો નહીં’ આ તળાવો તેમણે મુખ્યમંત્રીકાવર વાવ થાવ કરી હતી. એ વખતે બનાસકાંઠા લોકોને દીનની આગે ત્યારે મોદીએ જણાવ્યું હતું કે, ‘ત્યારે બનાસકાંઠા લોકોને સલ્ય બનાવવા સૂચન કર્યું હતું, ત્યારે લોકોએ વિરોધ કર્યો હતો. હવે ટપ્પે ટપ્પા સત્યનારાયણ ઉત્તમ વિકાસના પૂરું પાડ્યું છે ત્યારે ખાવા બનાસના નીર તમારા ખાનગી ખાવી પહોંચવા છે ત્યારે તેને પારસ સમજીને ઉપયોગ કરવા તેમણે સૌને અનુરોધ કર્યો હતો. આ રાજી બનાસ વિસ્તારમાં લોક વર્ષમાં મોટા ૭૫ તળાવોના નિર્માણ માટે સૂચન કર્યું હતું. જો ૫૨ પડશે તો ૬૫૨ી સમૃદ્ધ પેદી બનશે અને પાણીની બાબતે મોટી સમસ્યાનો પણ ઉકેલી જશે.

મહેસૂલ મંત્રી રાજેન્દ્ર ત્રિવેદી અને માર્ગ-મકાન મંત્રી પૂર્ણેશ મોદી પણ મળ્યા

વડાપ્રધાન મોદીએ કેટલાક મંત્રીઓને મળીને કામગીરી અંગે માહિતી લીધી

નવગુજરાત સમય > ગાંધીનગર

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ તેમની મુલાકાત દરમિયાન રાજ્યના કેટલાક મંત્રીઓ સાથે મુલાકાત કરી હતી. બહેતુક મંત્રી રાજેન્દ્ર ત્રિવેદી, માર્ગ-મકાન મંત્રી પૂર્ણેશ મોદી અને રાજ્ય કક્ષાના ઉર્જા મંત્રી મુકેશ પટેલ વગેરે તેમને રાજ્યસભાના ખાલી થનાર ૫૭ બેઠક, મંત્રીઓ પાસે તેમના વિભાગને લગતી કામગીરી અને પણ તેમણે ચાલીહ કરી હતી.

મુલાકાતના પ્રવાસે આવેલા પીએમ મોદી વિધાનસભાની પૂર્વણીની અન્વાણી ૧ તેમણે કરી લાગ તે સંબંધી સાર્થ વિષ કર્યાંકર ! ઉપરાંત ઉર્જામંત્રી મુકેશ પટેલ સાથે ઉર્જા અને પર્યાવરણ ક્ષેત્રે થયેલા કામોની માહિતી મેળવી હતી. ૨૦૨૭ની વિધાનસભાની ચૂંટણી અગાઉ પીએમ મોદી સાથે આ તેમની પ્રથમ મુલાકાત હતી.

રાજ્ય કક્ષાના ઉર્જા મંત્રી મુકેશ પટેલ પાસે વિધુતક્ષેત્રના લોનપુર્તા લાગે વીજ કંપનીઓની પ્રગતિની માંગ વર્યા

દેશમાં 8.5 લાખ કરોડનું દૂધ ઉત્પાદન થાય છે

PM નરેન્દ્ર મોદી આજે આયુષ સમિટ ખુલ્લી મુકશે, દાહોદમાં આદિવાસી સંમેલનને સંબોધશે

દાહોદમાં PM મોદી ₹ 20,000 કરોડના સેક્ટરથી ઇલેક્ટ્રિક રેલવે એન્જિનના કારખાનાનું વિલારોપણ સાથે અનેક પ્રોજેક્ટ્સના લોકાર્પણ, ખાતમુહૂર્ત કરશે

નવગુજરાત સમય > ગાંધીનગર

ગુજરાતના બહુ વિલંબીત પ્રવાસના મહિત વરસાદ વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી ૨૦ મહિલે ૧૪ પ્રકારના કાર્યક્રમોમાં ઉપસ્થિત રહેશે. સવારે ૧૦.૩૦ વાગે વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી જામનગર મહિલામાં આયોજિત બહુ વિકલ્પના આયુષ સમિટનું ઉદ્ઘાટન કરશે. આ પ્રસંગે ગ્લોબલ ટ્રેડિશનલ મેડિસિન (GTMC) ના ડાયરેક્ટર જનરલ ડૉ. ટેડ્રોસ અધનોમ ગેબ્રેયસસ, યુએનની મુખ્ય પહેલ તેમજ કેન્દ્રીય આયુષ મંત્રી સર્બાનંદ સોનોવાલ અને રાજ્ય મંત્રી ડૉ. મહેન્દ્ર મુજપરા તેમજ રાજ્ય આરોગ્યસેવા સચિવ પણ ઉપસ્થિત રહેશે. આ સમિટમાં આયુષ્યક્ષેત્રની ઉપસ્થિતિમાં આયુષ કેર ઓફ ધ ૨,૦૦૦ કરોડના મુદ્દાઓ પર ચર્ચાવિચારણા થશે. ત્યારે બાદ વડાપ્રધાન દાહોદ પહોંચશે અને અહીં રેલવે મંત્રાલય માટે ૨,૨૦,૦૦૦ કરોડના રોકાણથી ૯૦૦૦ અશ્વશક્તિના ઇલેક્ટ્રિક રેલવે એન્જિનના નિર્માણ માટેના કારખાનાનું PM મોદી ખાતમુહૂર્ત કરશે. આ ઉપરાંત પણ વિવિધ

સમિટમાં PM, મોસ્ટેસિયસના PM, WHOના ડીજીની ઉપસ્થિતિમાં આયુષ ક્ષેત્રે ₹ 5000 કરોડના રોકાણો માટે કરાર થશે

કાર્યક્રમો સાથે મુજપરાના બહુ વિકલ્પના પ્રવાસ આવી પહોંચેલા વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ જામનગરમાં વિશ્વાસ સમ્મેલનને સંબોધન કર્યાં બાદ પુણી જામનગરમાં રોકાઈ રાત્રિ વિશ્રામ કર્યાં બાદ ૨૭ મહિલે વહેલી સવારે વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી ખાસ વિમાનમાં અમદાવાદ આવી પહોંચશે. ત્યારબાદ તેઓ રોડ માર્ગે દાહોદ જવા રવાના થશે.

સાંજનો સાર્થ મુજપરાના બહુ વિકલ્પના પ્રવાસ આવી પહોંચેલા વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ જામનગરમાં વિશ્વાસ સમ્મેલનને સંબોધન કર્યાં બાદ પુણી જામનગરમાં WHOના ગ્લોબલ સેન્ટર ફોર ટ્રેડિશનલ મેડિસિનના માટે શિલારોપણ વિધિ કરી હતી. કેન્દ્રીય આયુષ મંત્રાલય દ્વારા નિર્માણ પામનાર આ સેન્ટરની કામગીરીના અન્વાણી ૧ આગળ પ્રધાનમાના મંત્રણી આયુષ મંત્રાલય દ્વારા આયોજના મહોત્સવ મહિલે પ્રથમ દરજ્જી ૨૨ મહિલે દાહોદના નવા વિકલ્પની આયુષ કાર્યાલય આયોજન કરાયું છે.

મુજપરાનો સવારે ૧૦.૩૦ વાગે PM મોદી તેનું ઉદ્ઘાટન કરશે. આ વિકલ્પીય સમિટ દેશના મુખ્ય નીતિ નિર્ણયકર્તા, ઉદ્યોગસમ્રાટોને, રોકાણકારો, સંશોધકો અને અન્ય રાષ્ટ્રીય આંતરરાષ્ટ્રીય વિશ્વોપરોને નવીનતા પર વિચારણા કરવા અને આરોગ્યને ઉદ્યોગસાહસિકતા માટે વૈશ્વિક આયુષ ક્ષેત્ર અનુસરવા માટે એકસાથે લાવશે. આ વિકલ્પના વૈશ્વિક આયુષ ઉત્પાદનમાં અંગ ઉત્પાદકોના સમિટ ૪૦૨૪ના ૧ પૂર્વે સાથે, ૨ વર્ષોને ટેબલ, ૧ વર્ષોસ્પેન, ૫ સિમ્પોઝિયમ હશે. સમિટ પુણી મુજપરા પછી બે દિવસ ટેબલ હશે, જે વાસ્તવી સંબંધને અને વિશ્વ માટે આરોગ્ય આયુષ તકો પર કેન્દ્રિત હશે. ડિપ્લોમેટ સંબંધોન વિષયિક બોઝ કોમ્બો, સંસ્કારો, બાલી, મેક્સિકો, સ્પાનીશ, ટોગો, મોંગોલિયા, બાંગ્લાદેશ, બિલી, ક્યુબા, ન્યામિબિયા, જર્મન, ચાર્લિસ્ટન, કિર્ગિઝસ્તાન, ટિમ્બાબ્વે, કોસ્ટા વિકલ્પ દુતાવાસો અને અન્ય મહત્વ સંબંધ, મુખ્યમંત્રી મંત્રીઓ તથા મુખ્યમંત્રી આરોગ્ય વિભાગના અધિકારીઓ સમ્મલાની સહભાગી બનશે.

પ્રથમ દિવસનું બીજું સ્ટેબલ ટેબલ ચર્ચા-વિચારણા પર ધ્યાન કેન્દ્રીત કરશે

ગાંધીનગરમાં ગુજરાતી સોજનાની **કોન્ફરન્સ**ના મુખ્ય મંત્રાલયો સાથે ઉદ્યોગો-ઉદ્યોગ સાહસિકો-સ્ટાર્ટ-અપ્સ વચ્ચે ૩૩ ક્ષેત્ર-પ્રતિક્રિયાઓ, FICCI કોન્ફરન્સમાં આયુષ સાથે સંગ પ્રમાણપત્રનું રોમિકરણ. પ્રથમ દિવસ આયુષ-ગ્લોબલ સ્ટાન્ડર્ડ્સ પ્રોજેક્ટ્સ: રોકાણની તકો/ઉદ્યોગનું ક્ષ સાથે સંસ્કારો, નિયમનકારી પડકારો, ઉત્પાદનો સાથે સેવાઓની મિશ્રણ) પર પૂર્ણ કક્ષ સાથે સમાપ્ત થશે. સમગ્ર સમિટ આયુષ વિકાસ, સંશોધન, નવીનતા, ઉદ્યોગસાહસિકતા સાથે સમગ્ર આયુષ પ્રણાલીઓમાં સ્થાપ સ્ટાર્ટઅપની રોમિક્ષ્ય સમજણી મિત્રતાદ કરશે.

ગુજરાત ગાર્ડિયન

‘હવે દિલ્હીથી નીકળેલા ૧ રૂપિયાના સોએ સો પૈસા લોકો સુધી પહોંચે છે’

બનાસ ડેરી ખેડૂતો, સ્ત્રીઓને સશક્ત બનાવવાનું હબ બનશે: મોદી

અમદાવાદ, તા.૧૯

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ અનાલ ડેરીના વિવિધ પ્રકલ્પોનું ખાતમુહૂર્ત અને લોકાર્પણ કરતા કહ્યું કે, હું તમારો અનન્ય સાથી છું અને તમારી પાસે રહી કામ કરવા માગું છું. વડાપ્રધાન મોદીએ આડાદીના અમૃત મહોત્સવ વર્ષે જિલ્લાદીઠ ૭૫ તળાવના નિર્માણ દ્વારા વરસાદી પાણીના સંગ્રહ-સંચય કરી ધરતી માતાને અમૃતમય બનાવવાનું આહવાન કર્યું હતું. આ અવસરે મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્ર પટેલ પણ વિશેષ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ જણાવ્યું

દિયોદરમાં નવું ડેરી સંકુલ અને બટાટા પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટ રાષ્ટ્રને સમર્પિત: બનાસ કોમ્યુનિટી રેડિયો સ્ટેશનનું ઉદ્ઘાટન સાથે ઓર્ગેનિક ખાતરને બાયોગેસ પ્લાન્ટની સ્થાપના અને ૧૦૦ ટન ક્ષમતાના ચાર ગોબર ગેસ પ્લાન્ટનો શિલાન્યાસ કરાયો

• અનુસંધાન પાના ૫ ઉપર

બનાસકાંઠાની બહેનોએ ઓવારણાં લેતા મોદી ભાવુક થયા

અમદાવાદ, તા.૧૯

દેશના વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી પોતાના ગુજરાતના ૩ દિવસના પ્રવાસ

‘મારા જીવનમાં પહેલીવાર એવું બન્યું છે કે એક સાથે દોઢથી બે લાખ માતાઓ, બહેનોએ અમને સૌને આર્શીવાદ આપ્યા છે’

• અનુસંધાન પાના ૫ ઉપર

અહીંની માતા-બહેનો પશુઓને નિ:સ્વાર્થ પ્રેમ કરવા સાથે તેઓને પોતાના સંતાન કરતાં પણ વધારે સારી રીતે સાચવે છે: નરેન્દ્ર મોદી

વેસ્ટર્ન ટાઈમ્સ

બનાસ ડેરી ખેડૂતો અને સ્ત્રીઓને સશક્ત બનાવવાનું હબ બની ગઈ છેઃ વડાપ્રધાન

દિયોદરમાં નવું ડેરી સંકુલ અને બટાટા પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટ રાષ્ટ્રને સમર્પિત બનાસ કોમ્યુનિટી રેડિયો સ્ટેશનનું ઉદ્ઘાટન કર્યું, દામા ખાતે ઓર્ગેનિક ખાતર અને બાયોગેસ પ્લાન્ટની સ્થાપના, ખીમાણા, રતનપુરા - ભીલડી, રાધનપુર અને થાવર ખાતે ૧૦૦ ટન ક્ષમતાના ચાર ગોબર ગેસ પ્લાન્ટનો શિલાન્યાસ

દિયોદર,

મહિલાઓએ ઓવરણાં લેતાં મોદી ભાવુક થયા

પાલનપુર,

બનાસ ડેરીનાં પ્લાન્ટના ઉદઘાટન પ્રસંગે મહિલાઓએ ઓવારણા લેતા વડાપ્રધાન મોદી ભાવુક થઈ ગયા હતા.

ફૂલછાબ

દૂધ ઉત્પાદનમાં ભારત દુનિયામાં પહેલા ક્રમે

અમદાવાદ, તા. ૧૯ (અમારા પ્રતિનિધિ તરફથી) : ભારત વર્ષ રૂા. ૮.૫ લાખ કરોડનું વાર્ષિક દૂધનું ઉત્પાદન કરે છે, જે વિશ્વમાં સૌથી વધારે છે અને ઘઉં અને ચોખાના ઉત્પાદન કરતાં તે વધુ છે અને નાના ખેડૂતો ડેરી ક્ષેત્રના સૌથી મોટા લાભાર્થીઓ છે એમ વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ બનાસકાંઠામાં બનાસ ડેરીના નવા પ્લાન્ટના લોકાર્પણ પ્રસંગે જણાવ્યું હતું. કૉંગ્રેસ પર કટાક્ષ કરતાં તેમણે જણાવ્યું હતું કે પૂર્વ વડાપ્રધાન કહેતા હતા કે દિલ્હી પછી એક રૂપિયામાંથી ફક્ત ૧૫ પૈસા લાભાર્થીઓ સુધી પહોંચે છે, પરંતુ આ સરકારે પૂરેપૂરા ૧૦૦ પૈસા પારેલા લાભાર્થીઓ સુધી પહોંચે તેની અને તેમના ખાતામાં જમા થાય તેની ખાતરી કરી છે.

બનાસ ડેરીના નવા ડેરી સંકુલ અને પોટેટો પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટનું ઉદ્ઘાટન કર્યા બાદ બનાસકાંઠામાં દિયોદર ખાતે વિશાળ જનમેદનીને સંબોધન કરતાં તેમણે જણાવ્યું હતું કે સહકારી ડેરી નાના ખેડૂતોને અને તેમાં ખાસ કરીને મહિલાઓને સશક્ત બનાવે છે અને ગામડાંના અર્થતંત્રને મજબૂત બનાવે છે.

ભારત વિશ્વમાં દૂધનું સૌથી મોટું ઉત્પાદક છે. કરોડો ખેડૂતોનું ગુજરાત દૂધ પર નિર્ભર છે ત્યારે ભારત વાર્ષિક ધોરણે રૂા. ૮.૫ લાખ કરોડ દૂધનું ઉત્પાદન કરે છે. જેની તરફ વિખ્યાત અર્થશાસ્ત્રીઓ સહિતના લોકો ધ્યાન કેન્દ્રિત કરવામાં નિષ્ફળ ગયા છે. તેની સામે ઘઉં અને ચોખાનું ટર્નઓવર રૂા. ૮.૫ લાખ કરોડનું નથી અને નાના ખેડૂતો ડેરી ક્ષેત્રના સૌથી મોટા લાભાર્થીઓ છે એમ મોદીએ જણાવ્યું હતું.

દિયોદરમાં ૬૦૦ કરોડના ખર્ચે બનાસ ડેરીનું નવું સંકુલ અને બટાટા પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટ રાષ્ટ્રને સમર્પિત કરતા વડાપ્રધાન : વર્ષે ૮.૫ લાખ કરોડનું દૂધ ઉત્પાદન : હવે પૂરા સો પૈસા લાભાર્થી સુધી પહોંચે છે : મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્ર પટેલની ઉપસ્થિતિ

ઉપરાંત તેમણે બનાસ ડેરીના અસંખ્ય પ્રોજેક્ટોનું ઉદ્ઘાટન અને શિલાન્યાસ કર્યા હતો. ડેરી ક્ષેત્રના સૌથી મોટા લાભાર્થીઓ એવા નાના ખેડૂતો છે જેઓ બે કે પાંચ વીઘા જમીન ધરાવે છે અને અલ્પ વરસાદ અને સિંચાઇનાં પાણીના અભાવથી પીડાય છે. તેઓ ઢોરને ઉછેરીને તેમના પરિવારની સંભાળ લે છે. તેમની સરકારે નાની જમીન ધરાવતા ખેડૂતોની સુખાકારીની ખાતરી કરતા હંમેશાં સંભાળ રાખી છે એમ કહેતાં શ્રી મોદીએ જણાવ્યું હતું કે વડાપ્રધાન બન્યા બાદ મેં દેશભરના નાના ખેડૂતોની જવાબદારી સ્વીકારી છે. આજે વર્ષમાં ત્રણ વખત હું ખેડૂતોનાં ખાતામાં રૂા. ૨૦૦૦ સીધા જ ટ્રાન્સફર કરું છું.

આ અવસરે મુખ્યમંત્રી ભૂપેન્દ્ર પટેલે જણાવ્યું હતું કે, દેશના વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીના માર્ગદર્શનમાં ઉત્તર ગુજરાતના પશુપાલકો- દૂધ ઉત્પાદકના જીવનમાં નવી રોશની લાવવામાં આ પ્રોજેક્ટ મહત્વપૂર્ણ બનશે. સરદાર પટેલના દ્રષ્ટિવંત આયોજનની છાપ આજની દૂધ સહકાર ચળવળમાં દેખાય છે. આપણા વડાપ્રધાને ભારતને પાંચ ટ્રિલિયન ડોલર ઈકોનોમી બનાવવા સાથે ભારતને આત્મનિર્ભર બનાવવાનાં કરેલાં સંકલ્પ સાકાર કરવામાં બનાસ ડેરી પણ પથદર્શક બનશે.

બનાસ ડેરીમાં પીરોમ : ગૃહરાજ્યની મુલાકાતના બીજા દિવસે મંગળવારે વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ બનાસકાંઠાની પ્રસિદ્ધ બનાસ ડેરી સંકુલની મુલાકાત લીધી હતી અને વિવિધ વિભાગોનું નિરીક્ષણ કરી માહિતી મેળવી હતી.

બનાસડેરીના ચેરમેન શંકર ચૌધરીએ સ્વાગત પ્રવચનમાં જણાવ્યું હતું કે, ડેરીની સભાસદ મહિલાઓએ ગામે-ગામ ફરીને લોકોને કાર્યક્રમમાં આવવા નિમંત્રણ આપ્યું છે. આગામી સમયમાં આટાનું ઉત્પાદન કરવા જઇ રહ્યા છીએ. પ્રોટીન બટર મિલ્ક-પ્રોટીન લસ્સીનું માતબર વેચાણ થઇ રહ્યું છે. સાથે-સાથે ઓર્ગેનિક ખેત ઉત્પાદન તરફ આગળ વધવા કટિબદ્ધ છીએ.

રાજસ્થાન પત્રિકા

बनास डेयरी के दूसरे परिसर का उदघाटन

दूध उत्पादकों के जीवन में नई रोशनी : सीएम

पालनपुर @ पत्रिका. बनासकांठा जिले के दियोदर के समीप सणादर में बने बनास डेयरी के दूसरे संकुल के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राज्य के सहकारी क्षेत्र के प्रभाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर गुजरात के पशुपालकों-दूध उत्पादकों के जीवन में नई रोशनी लाने में यह प्रोजेक्ट महत्वपूर्ण साबित होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल के दूरदृष्टि के कारण दूध का सहकारिता आंदोलन दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री के भारत की पांच ट्रिलियन डॉलर इकॉनोमी बनाने के साथ भारत को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को साकार करने में बनास डेयरी मार्गदर्शक बनेगा। बनासकांठा जिले के आलू उत्पादन में अग्रणी होने की चर्चा कर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का पोटेटो प्रोसेसिंग प्लांट आलू के मूल्यवर्द्धन के साथ वैश्विक बाजार उलपब्ध कराएगा। साथ ही साथ पशुपालन व्यवसाय के साथ

जुड़ी महिलाओं की दूध सहकारी मंडलियों में भागीदार का प्लेटफार्म उपलब्ध कराएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के इस वर्ष बनास डेयरी के क्रियान्वित प्रकल्पों के साथ डेयरी से जुड़े दूध उत्पादकों-किसानों के जीवन में नई दिशा मिलेगी। प्रधानमंत्री के हरेक गांव में 75 किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने के आह्वान को गुजरात साकार कर रहा है। इस दिशा मे बनासकांठा जिला भी अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने लोगों से धरती माता के स्वास्थ्य की रक्षा करने के साथ गोपालन का अनुरोध किया।

इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सी आर पाटिल, बनासडेयरी के चेयरमैन शंकर चौधरी, सहकारिता मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, शिक्षा राज्य मंत्री कीर्तिसिंह वाघेला, सांसद परबत पटेल, दिनेश अनावाडिया, विधायक शशिकांत पंडया, मुख्य सचिव पंकज कुमार, कलक्टर आनंद पटेल, इफको के चेयरमैन दिलीप संघाणी समेत अन्य कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पीएम की सभा में लोगों को लाने की शिक्षकों को ड्यूटी, आप व कांग्रेस ने जताया विरोध

अहमदाबाद. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दाहोद में आदिवासी महासम्मेलन में कार्यक्र म में गांव से लोगों को कार्यक्र म स्थल तक ले जाने के लिए शिक्षकों को ड्यूटी सौंपने की गई है। इस संबंध में जारी किए गए पत्र का उल्लेख करते हुए गुजरात प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष जगदीश ठाकोर और आम आदमी पार्टी की ओर कड़ा विरोध जताया गया है। उधर, आप ने भी इस पत्र को जारी कर भीड़ जुटाने के लिए शिक्षकों को काम सौंपे जाने पर सवाल उठाए।

દૈનિક જાગરણ

दुग्ध उत्पादन में भारत दुनिया में शीर्ष पर : मोदी

- प्रधानमंत्री ने कहा, देश में चावल-गेहूं से ज्यादा है दुग्ध का सालाना टर्नओवर
- गुजरात के बनासकांठा में नए डेयरी परिसर का मोदी ने किया उद्घाटन

गुजरात के बनासकांठा में मंगलवार को नए डेयरी परिसर का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दुग्ध उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में शीर्ष पर है। देश में सालभर में 8.5 लाख करोड़ रुपये के दुग्ध का उत्पादन होता है। यह गेहूं और चावल के सालाना टर्नओवर से कहीं ज्यादा है। गुजरात के बनासकांठा में बनास डेयरी के नए परिसर और आलू प्रसंस्करण प्लांट का उद्घाटन करते हुए मोदी ने कहा, छोटे किसान डेयरी क्षेत्र के सबसे बड़े लाभार्थी हैं।

कांग्रेस पर परोक्ष तंज कसते हुए मोदी ने कहा, एक पूर्व प्रधानमंत्री कहा करते थे कि दिल्ली से जारी होने वाले एक रुपये में लाभार्थी तक सिर्फ 15 पैसा पहुंचता है। लेकिन मैंने सुनिश्चित किया कि पूरा-का-पूरा एक रुपया लाभार्थी तक पहुंचे और यह किसानों के खाते में जमा कराया जाए।

पीएम ने कहा,बनासकांठा के उत्पाद अब लोकल से ग्लोबल हो गए। सिंगापुर में चाय मांगो तो उसमें दूध गुजरात का ही होगा। किसानों को आलू व बीज के भी बेहतर दाम मिलेंगे। मोदी ने कहा, दूध और आलू में कोई रिश्ता नहीं है। लेकिन बनास डेयरी ने दोनों की प्रसंस्करण इकाई एक जगह शुरू कर इसे भी कर दिखाया।

बनासकांठा प्लांट की खासियत

- दैनिक 30 लाख लीटर दूध का प्रसंस्करण, 80 टन मक्खन का उत्पादन किया जाएगा
- एक लाख लीटर आइसक्रीम, 20 टन कंडेन्स्ड दूध, छह टन चाकलेट का उत्पादन होगा
- आलू प्रसंस्करण प्लांट में फ्रेंच फ्राइज, आलू चिप्स, आलू टिक्की, पेटीस आदि बनेंगे

मोदी ने कहा, दिल्ली जाकर भी उनको यहां के किसानों की चिंता है। यहां पर गोबर गैस संयंत्र लगाया गया है, जिससे सीएनजी गैस का उत्पादन होगा। पशुपालकों को दूध के साथ गोबर का भी पैसा मिलेगा। हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तो महिलाएं सशक्त होंगी। मोदी ने पशुपालक महिलाओं से चर्चा करते हुए बताया कि पहले मकान, दुकान, ट्रैक्टर सब पिता या पति के नाम पर होता था। लेकिन उन्होंने गुजरात का मुख्यमंत्री रहते महिलाओं के नाम संपत्ति की नीति बनाई।

पशुओं के नियमित टीकाकरण का दिया सुझाव पेज>>3

The Hindu

PM unveils dairy complex in Gujarat

'Initiatives at Banas Dairy will empower farmers, women and boost rural economy'

SPECIAL CORRESPONDENT
AHMEDABAD

Prime Minister Narendra Modi on Tuesday inaugurated a state-of-the-art dairy complex and potato processing facility at the Banaskantha District Cooperative Milk Federation, Palanpur, popularly known as the Banas Dairy, in Gujarat's Banaskantha district. Mr. Modi said the facilities would boost rural economy and empower farmers.

On the second day of his three-day visit to his home State, Mr. Modi reached Deodar in Banaskantha to open the new plants at Banas Dairy, which is a division of the Gujarat Cooperative Milk Marketing Federation (GCMMF) under the Government of Gujarat's Ministry of Cooperation. Mr. Modi interacted with women milk suppliers and farmers in a move to reconnect with the masses ahead of the Assembly election in the State later this year.

Prime Minister Narendra Modi during his visit to Banas Dairy in Banaskantha district of Gujarat on Tuesday. • PTI

The new dairy complex has a capacity to process about 30 lakh litres of milk, and produce about 80 tonnes of butter, 20 tonnes of condensed milk, one lakh litres of ice cream and six tonnes of chocolate per day.

The potato processing plant will produce different types of processed potato products such as chips, *aloo tikki*, fries, and patties, many of which will be exported in other countries.

"The new development initiatives at Banas Dairy will empower farmers, women, and boost the rural economy. We can experience how cooperative movement can give strength to the Aatmanirbhar Bharat campaign," the Prime Minister said, addressing a huge gathering of women milk suppliers and farmers.

Mr. Modi profusely praised the efforts of local communities and the cooperative dairy sector in creating livelihood opportunities for locals in the water-starved district in north Gujarat. "I would like to applaud the people of Banaskantha for their hard work and spirit of resilience. The manner in which this district has made a mark in agriculture is commendable. Farmers embraced new technologies, focused on water conservation and the results are for all to see," he tweeted after the event.

During his speech, Mr. Modi said the development taking place in Gujarat fills one with sense of pride as what happens in Gujarat is followed by the people of other States.

He also mentioned his visit to the new command and control centre of the State Education Department on Monday evening.

The centre has connected all schools in the State with real time monitoring of students and teachers, teaching work and attendance from State capital Gandhinagar.

Indian Express

AT BANAS DAIRY IN BANASKANTHA

PM suggests replication of CCC in other parts of country

PARIMAL DABHI
DEODAR (BANASKANTHA), APRIL 19

PRIME MINISTER Narendra Modi showered praises on the Vidya Samiksha Kendra (VSK) or Command and Control Centre (CCC) of the Gujarat education department in Gandhinagar, where he spent more than two hours on Monday, and said that he would ask various ministries to study it for replication in other parts of the country for the "brighter future" of school students.

Addressing a massive convention of women organised by Banas Dairy in Deodar of Banaskantha district on Tuesday, the PM said, "I was standing by you when I was the Chief Minister. And even when you sent me to Delhi, I have not deserted you. I have been standing by you through thick and thin."

"I am your dedicated companion (saathi) like the one who works in our fields. I want to work by your side," he added.

Modi, who is on a three-day Gujarat visit, spent nearly two hours at the VSK Monday, about which he said, "The height of success and development Gujarat is in today that any Gujarati feels proud of it. And I could experience it during my visit to VSK in Gandhinagar yesterday."

Modi said that VSK is providing great strength in brightening the future of Gujarat's children. "Use of such a big technology for our government primary schools is a wonder for the entire world," he said adding that he felt very good at use of technology in such a manner.

Prime Minister Narendra Modi at the potato processing plant in Deodar. *Courtesy: BJP*

"Under the leadership of our popular CM Bhupendrabhai (Patel), this VSK has become a centre that shows direction to the entire country," Modi said.

The PM also said that he got so interested in it that instead of the scheduled visit of one hour, he spent more than two hours at the centre to understand things.

He said that by using artificial intelligence, machine learning and large data analysis, the VSK has become a powerhouse for more than 54,000 schools, teachers and students.

Modi said that the VSK analyses over five crore data sets in a year and that it can bring a big change in the field of education in the country. He added that because of the VSK, the presence of students in schools has increased by 26 per cent.

"I will ask the concerned ministries and officials of Government of India to study VSK. Concerned ministries of different states should also study this system. The future of India will be brighter if maximum children get benefit of this modern VSK system," Modi said. During his 30-minute speech, the PM also referred to the recently launched Seema Darshan initiative to promote border tourism at Nada Bet in Banaskantha .

"Gujarat is a live example of how to develop border districts. Because of Nada Bet Seema Darshan project, villages on the border will become vibrant. It will pave way for new employment opportunities (in the region)," the PM said while mentioning the Rann Utsav in Kutch district.

Before addressing the women's convention, PM Modi dedicated a new dairy plant of Banas Dairy and other initiatives of the dairy, including a community radio station devoted to local animal husbandry community and a potato processing plant.

The dairy plant is having capacity to process 30 lakh litre milk per day which can be increased to 50 lakh litre per day. He also virtually laid foundation stone of four gobar gas plants.

Modi referred to various innovative initiatives of the Banas Dairy such as the potato processing plant, bio-CNG plant, gobar gas plant and honey production, and said that it is an example of how fortune of farmers from a water-starved district like Banaskantha can be revived.

During his speech Modi also mentioned that India is the biggest milk producer in the country.

"Our India is the biggest milk producer in the country. When crores of farmers livelihood is dependent on milk, many people including noted economists, do not pay attention to figures. In our country, annually milk worth Rs 8.5 lakh crore is being produced. This is an example of decentralised economy in villages."

Modi also called upon the farmers to make at least 75 ponds in the district to celebrate the 75 years of independence. The function was also attended by Chief Minister Bhupendra Patel, state BJP chief CR Paatil and Banas Dairy chairman Shankar Chaudhary.

Indian Express

Modi interacts with women dairy farmers

EXPRESS NEWS SERVICE
DEODAR (BANASKANTHA), APRIL 19

PRIME MINISTER Narendra Modi interacted with a group of women dairy farmers during his visit to Banas Dairy in Deodar of Banaskantha, where he discussed various issues related to animal husbandry and suggested that they get their cattle vaccinated against foot and mouth disease.

The PM was accompanied by Gujarat Chief Minister Bhupendra Patel, Gujarat BJP president CR Paatil and chairman of Banas Dairy Shankar Chaudhary. A video containing glimpses of the interaction was also posted on Modi's social media account.

PM Narendra Modi at the Banas Dairy in Deodar. *Courtesy: BJP*

Women dairy farmers explained how they are getting benefited from various initiatives of Modi during his tenure as Gujarat CM and now as Prime Minister, mentioning about 24X7 electricity under Jyotigram Yojana and supply of cooking gas.

Modi asked the women if all of them got vaccinated against Covid-19 free of cost through the government to which the women replied in the affirmative.

The PM told that the women that each village in the district should develop 75 ponds while also making provisions so that the rainwater of the area gets drained in those ponds. This will help improve ground water level in the water-starved district, he said.

Modi also asked the women how many of them had visited Nada Bet, the recently inaugurated border tourism project of Gujarat government in the district that shares its border with Pakistan.

When a woman said that she had visited Nada Bet, Modi asked, "Have you seen everything that the Border Security Force does there? Now, will you feel like sending your son in it (BSF)?" The woman replied in the affirmative. Another woman shared with the PM her experience in beekeeping.

Indian Express

Women listen to Prime Minister Narendra Modi at Banas Dairy Sankul, Deodar, in Banaskantha on Tuesday. *PTI*

PM Modi

among foreigners. But due to lack of international standards (of quality testing and certification), regular trade (of such drugs and products) remains restricted," he said.

Emphasising that overall well-being has a "direct relationship" with balanced diet and that wellness should be the "ultimate goal" -- it's finding resonance following the Covid-19 pandemic with the world searching for "new healthcare delivery systems" -- Modi said: "Jamnagar will reach new heights in the wellness sector with this centre".

Stating that India's practice of traditional medicine has not been limited only to treatment but is about life's holistic science, he said: "Apart from treatment and relief, there are other aspects that include social health, mental health, happiness, environmental health, sympathy, empathy etc which are part of holistic well-being. Ayurveda is known as the fifth Veda."

"The new diseases we are seeing now, our TM knowledge is very important. Good health has a direct relationship with a balanced diet... Our knowledge system and experience of several hundreds of years tells us what should be eaten when. At one time, our elders would emphasise use of millets. Over time, its utilisation reduced but now we are seeing encouragement for its use again. The year 2021 was declared International Millet Year... The National Nutrition Mission has kept in mind India's ancient teachings. Even during Covid-19, we used knowledge of Ayurveda, and the Ayush Kada became very popular. These formulations were in demand globally. Today, to save (themselves) from the pandemic, several countries are emphasising on TM. For many diseases such as diabetes, obesity, depression, India's yoga has played an important role and is helping people worldwide to reduce mental stress and establish balance," he said.

The Prime Minister laid down five goals for the new centre. First, to create a database of traditional knowledge systems using technology; second, GCTM can create international standards for testing and certification of traditional medicines so that confidence in these medicines improves. Third, GCTM should evolve as a platform where global experts of traditional medicines come together and share experiences. He also asked the centre to explore the possibility of an annual traditional medicine festival. Fourth, GCTM should mobilise funding for research in the field of traditional medicines. Finally, GCTM should develop protocols for holistic treatment of specific diseases so that patients could benefit from both traditional and modern medicine.

WHO Director General Ghebreyesus said the centre's five main areas will be research and leadership, evidence and learning, data and analytics, sustainability and equity and innovation and technology.

Union Ayush Minister Sarbananda Sonowal said the present turnover of the Indian Ayush industry is $18.1 billion, up from $3 billion in 2014, and "it is of prime importance for member states to walk together to integrate modern science with the codified system of traditional medicine". This, he said, will help the scientific community address "challenges such as antimicrobial resistance (AMR), growing incidence of age-related disorders, non-communicable diseases as well as to achieve the objective of a tuberculosis-free world".

UGC norms

Announcing the decision, UGC chairperson M Jagadesh Kumar said the collaborating institutes will be allowed to offer three kinds of programmes -- twinning, joint degrees and dual degrees. While the first two programmes were allowed even under the old regulations, there were few takers, he said. Sources said this was because of excessive regulations.

Students enrolling for these programmes will have to go abroad to earn credits, but they will not have to seek admission separately while doing so. The new regulations, however, are not applicable to programmes offered online and in the open and distance learning mode.

- For dual degrees, students will have to complete at least 30 per cent of their course credit at the foreign institution. The degrees awarded by both the Indian and foreign institutions will indicate the credits earned at the respective institutions.

The course will have to be of the same discipline, and at the same level. For example, a student enrolled in a BA History programme in an Indian university can pursue a part of her course at a foreign institution. At the end of the course, the student will be awarded two degrees, separately and simultaneously, by the Indian and foreign institution.

This shall not, in any way, be construed as two degree programmes in separate disciplines or subject areas at two different levels, the UGC has clarified. This means a dual degree in BA English and BSc Physics, or BSc Maths and MSc Biology will not be allowed under this arrangement.

- Under the twinning arrangement, a student can study a programme partly in India and partly in a foreign university, but the diploma or degree will be awarded just by the Indian university. Students will have to complete up to 30 per cent of the course's credits at the foreign institution by means of an exchange programme. The same will be applicable to foreign students enrolling in a similar programme. In this arrangement, credits earned at a foreign institution will be counted toward the degree/ diploma awarded by the Indian institution.
- In a joint degree programme,

Ahmedabad Mirror

PM Modi interacted with women who supply milk to the Banas dairy cooperative union and earn livelihood from it

India tops milk production in world: Narendra Modi

PM says value of milk produced higher than India's wheat and rice output; dedicates new Banas dairy unit built at a cost of Rs 60 crore

Ahmedabad Mirror Bureau
feedback@ahmedabadmirror.com

TWEETS @ahmedabadmirror

Prime Minister Narendra Modi on Tuesday said India produces milk worth Rs 8.5 lakh crore annually, more than the turnover of wheat and rice, and underlined that small farmers are the biggest beneficiaries of the dairy sector.

In a veiled dig at Congress, Modi said a former prime minister used to say that only 15 paise out of one rupee reaches (the beneficiaries) after leaving Delhi, but he ensures that the entire100 paise reaches the intended beneficiaries and gets deposited into the account of farmers.

Modi was addressing a gathering at Diyodar in the Banaskantha district after inaugurating new dairy complex of Banas dairy at Sanadar near Diyodar, which is spread over 151 acre and built at a cost of Rs 610 crore. Along with that he also inaugurated a potato processing unit, Doodhvani community radio station (FM 90.4). Modi also e-inaugurated cheese and whey plant expansion of the Banas dairy.

While addressing a huge crowd, mostly women who are the biggest milk contributors, the PM said, "This is probably the first time it might be happening that I am receiving the blessings of 1.5 to 2 lakh mothers and sisters. This blessing is of invaluable significance. During the 1 to 2 hours of time I spent at the plant, I met agro producers and plant officials. I was truly impressed. The Banas dairy plant is the best example of mothers' and sisters' (women) empowerment."

Modi said, "The Banas dairy project has also established that to double the farmers' income, not only milk, but other products can also be useful."

Shankar Chaudhary, the chairman of the Banas dairy, said, "The plant was constructed in a short span of 18 months, starting from June 2020 when the Covid pandemic was at its peak. Machines equipped with the latest technology are installed in the plant, imported from seven different countries. Initially, the milk processing capacity of the plant was 30 lakh litres per day, which eventually will be increased to 50 lakh litres per day."

Times of India

‘India’s milk turnover more than that of wheat, rice’

Many, Including Big Economists, Do Not Pay Attention To It: Modi

Times News Network

Deodar (Banaskantha): India is the world’s largest milk producer which produces milk worth Rs 8.5 lakh crore annually, something that many people, including big economists, do not pay attention to, Prime Minister Narendra Modi said this on Tuesday while addressing a large gathering at Deodar taluka in Banaskantha district.

PM was speaking after inaugurating a new dairy complex and a potato processing plant of Banaskantha District Milk Producers Union Limited popularly known as Banas Dairy. He said the cooperative dairy empowers small farmers, especially women and strengthens the village economy.

“Today, India is the world’s largest producer of milk. When the livelihood of crores of farmers depends on milk, India produces milk worth Rs 8.5 lakh crore annually. This is something that many, including renowned economists, fail to pay attention to. It is an example of a decentralised economic system,” he said.

“Against this, even turnover of wheat and rice is not Rs 8.5 lakh crore. Small and marginal farmers are the biggest beneficiaries of the dairy sector,” the PM said.

Stressing that his government has always cared about the welfare of farmers, he said that after going to Delhi, he took on the responsibilities of small farmers across the country.

Taking a dig at the Congress, Modi said that a former PM used to say that only 15 paise out of one rupee reaches the beneficiaries after leaving Delhi. But he ensures that the entire 100 paise reaches the beneficiaries and gets deposited into the account of farmers.

“After going to Delhi, I took on the responsibilities of small farmers across the country. And today, Rs 2,000 is directly transferred into the bank accounts of farmers three times in a year,” he said.

(Top) PM Modi was greeted by Banas Dairy members; (above) he inaugurated the model of the new plant

The PM said that Banas Dairy is an example of how a cooperative movement can strengthen the economy of a village and empower women and in turn strengthen the campaign for ‘Aatmanirbhar Bharat’.

He lauded the women of Banaskantha for the way they care about their cattle with more affection even than their children. On Twitter, Modi shared glimpses of his earlier visit to Banas Dairy. “I am delighted to be visiting @banasdairy1969 yet again. I had last visited the dairy in 2016. That time a series of products of the dairy were launched. I had also visited the dairy in 2013. Here are glimpses from both programmes,” PM tweeted with photographs of his earlier visits.

He also shared photographs of his visit to the dairy complex that included inauguration of potato processing plant. “This factory is all about value addition and is testimony to the innovative zeal of the people of Banaskantha,” he tweeted.

Mauritius PM roots for traditional meds

> We are at a critical moment in the use of herbal medicinal products. Many people rely on them for part of primary healthcare. With the increasing significance of natural products, measures have to be taken to protect public health and monitor herbal medicines. There couldn't have been a more opportune time to set up GCTM which will compile evidence and data for forming policies and standards for safe medicines
>
> **Pravind Kumar Jugnauth** | MAURITIUS PM

Times News Network

Jamnagar: On his maiden visit to Gujarat on Tuesday, Mauritius PM Pravind Kumar Jugnauth said WHO Global Centre for Traditional Medicine (GCTM), set up in Jamnagar, will reinforce the growing acceptance of traditional medicines across the world. Refocusing on these healing methods will go a long way in mitigating diseases that are “affecting humanity in this stressful world”.

Addressing the gathering after the foundation stone laying ceremony of GCTM, Jugnauth said, “The fact that 40% of the pharmaceutical medicines currently in use are derived from natural substances underscores the importance of conserving biodiversity and sustainability.”

The use of naturally occurring products like plants and minerals in the treatment of diseases, and herbal

GCTM will help harness power of science: WHO DG

Jamnagar: World Health Organization (WHO) Director-General Dr Tedros Adhanom Ghebreyesus said on Tuesday that the WHO Global Centre For Traditional Medicine (GCTM) will help harness the power of science to strength the evidence base for traditional medicines.

“Examples of traditional medicines being turned into modern medicines abound around the world, from throughout India with such products as turmeric, neem and jamun, and from indigenous communities in Brazil to the Kalahari Desert.

lauded the WHO’s vision to set up this first and only global outpost for traditional medicine and said it would

> The emergence of the Covid-19 pandemic has shown us that we need to revisit our focus in ensuring good health and well-being. If traditional medicine is practised in tandem with modern medicine, the world may expect a better outcome in ensuring basic healthcare for all as envisioned in UN's Sustainable Development Goals
>
> **Sheikh Hasina** | BANGLADESH PRIME MINISTER

> India has a rich legacy of traditional medicine practices and it is a leader in ayurveda. Our region has been rich in traditional medicines since ancient times. Nepal and India are home to this biodiversity in herbs and medicinal plants
>
> **Sher Bahadur Deuba** | NEPAL PM

> With GCTM being set up in Gujarat, we can share our traditional practices and resources on a global platform. Bhutan's mountains and valleys house several varieties of medicinal plants and herbs. Our country has always given equal if not more importance to traditional medical services
>
> **Lotay Tshering** |

The Tribune

Prime Minister Narendra Modi inspects a potato processing plant in Banaskantha district of Gujarat on Tuesday. PTI

Dairy lucrative option to boost farm income: PM

TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, APRIL 19

Dairy is emerging as a more lucrative option to boost farmers' income, Prime Minister Narendra Modi today said, dedicating a new dairy hub and potato processing plant at Diyodar in Banaskantha district of Gujarat to the nation.

"The development initiative will empower farmers and boost the rural economy. The Banas dairy has created a new economic force in the country. Here, we can experience how a cooperative movement can give strength to the Aatmanirbhar Bharat campaign," the Prime Minister said.

"The Banas dairy movement is helping farmers and cattle-rearing communities in states such as Uttar Pradesh, Haryana, Rajasthan, Odisha, Andhra Pradesh and Jharkhand. Dairy is emerging as a medium for increasing farmers' income compared with traditional foodgrain, especially where landholdings are small," he said.

The new dairy complex and potato processing plant at Diyodar, Banaskantha district, is built at a cost of more than Rs 600 crore.

The PM said the manner in which Banaskantha had made a mark in agriculture was commendable. "Farmers embraced new technologies, focused on water conservation and the results are for all to see," he said.

The Statesman

PM lauds women's role in 'Atmanirbhar Bharat'

PM inaugurated a slew of projects in the state, including a WHO-sponsored centre

STESMAN NEWS SERVICE
AHMEDABAD, 19 APRIL

Prime Minister Narendra Modi said on Tuesday that efforts of women in the milk sector have proven how a traditional produce can boost up economic growth for the country.

Addressing a gathering of women after laying foundation stones for several projects of the Banas Dairy at Deodhar in north Gujarat, Modi appreciated the hard work of women in dairy sector and said it is an example how cooperative movement can give a boost to 'Atmanirbhar Bharat'.

The Prime Minister also took a dig at previous regimes by saying that the Direct Benefit Transfers (DBT) are now reaching farmers accounts in full as compared to only 15 paise out of every one rupee disbursed by earlier governments.

This was a reference to former Prime Minister Rajiv Gandhi's remark about how middlemen usurped grants meant for poor. Modi began a three-day tour on Monday night to his native state Gujarat where assembly elections are due in December. During his three-day trip, the Prime Minister would inaugurate a slew of projects in the state, including a World Health Organisation (WHO) sponsored centre for traditional medicine at Jamnagar.

Modi also launched a community radio service in Banaskantha of north Gujarat.

Expressing concern about deficient rainfall in the region, the Prime Minister asked the people to dig as many as 75 large ponds before the coming monsoon as part of their contribution to the "Azadi Ka Amrut Mahotsav".

Soon after his arrival here on Monday evening, Modi had visited the Command & Control Centre (CCS) for schools which maintains and processes more than 500 crore units of data from all over the state. Coming as it did just days after Delhi Deputy Chief Minister Manish Sisodiya's criticism of Gujarat's education system, the Prime Minister's visit to the CCS assumes significance in an election year. Modi would also address a women's rally at Dahod in the eastern tribal belt before returning to Delhi on Wednesday.

PM to inaugurate India's first Semicon Conference: PM Modi will inaugurate the first Semicon India 2022 Conference in Bengaluru on April 29, Minister of State for Electronics and Information Technology Rajeev Chandrasekhar announced on Monday.

As per a press release from the Ministry of Electronics and Information Technology, Semicon India 2022, a 3-day conference, is being organised to take forward the vision of PM Modi to make India a leader in electronics manufacturing, semiconductor design, manufacturing and innovation. Speaking about the India Semicon Mission at the event, Chandrasekhar said that PM's vision is to make India a significant player in the global semiconductor value chain. "First time in last 75 years- rapid decisive strides have been made in this space."

"Semicon India 2022 conference will attract the best minds from across the world from the semiconductor industry, research and academia and will act as a big step in fulfilling PM's vision of making India a global hub for electronics manufacturing and the semiconductor industry," the release stated. Semicon India 2022 Conference will be organised by the Ministry of Electronics and Information Technology from April 29 till May 1 at the ITC Gardenia, Bengaluru around the theme of - Design and Manufacture in India, for the World: Making India a "Semiconductor Nation".

દિવ્ય ભાસ્કર

₹20 હજાર કરોડના ખર્ચે પ્રોડક્શન યુનિટમાં વર્કશોપ અપગ્રેડ થશે, આજે PM મોદી ખાતમુહૂર્ત કરશે

મેક ઈન ગુજરાત

દાહોદમાં બનશે 9 હજાર HP નું હાઈસ્પીડ ઈલેક્ટ્રિક રેલ એન્જિન, 4500 ટન સાથે માલગાડી 120ની સ્પીડે દોડશે

- 11 હજાર યુવાનોને રોજગાર મળશે, 1200 એન્જિનના ઉત્પાદનનો ટાર્ગેટ

ભાસ્કર ન્યૂઝ. દાહોદ

ગુજરાતના પ્રવાસે આવેલા વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી બુધવારે દાહોદ ખાતે રેલવેના હાઈસ્પીડ ઈલેક્ટ્રિક એન્જિન ફેક્ટરીની સ્થાપના માટે ખાતમુહૂર્ત કરશે. આ સાથે દાહોદ શહેરના રેલવે વર્કશોપમાં 9000 હોર્સપાવરની તાકાત વાળા એન્જિન(હાઈસ્પીડ ફ્રેટ લોકોમોટિવ) બનશે. દિલ્હી-મુંબઈ મુખ્ય રેલવે લાઈન ઉપર આવેલું દાહોદનું વર્કશોપ પશ્ચિમ રેલવેનું સૌથી જૂનુ વર્કશોપ છે. હાલમાં તેમાં વિવિધ પ્રકારના એન્જિન, વેગન, મેમુ અને ડેમુ વિગેરેનું મેન્ટેનન્સ થાય છે. હાલમાં ઉચ્ચ હોર્સપાવર અને વધુ ગતિવાળા એન્જિનની જરૂરિયાત વધી રહી છે. તેને પૂર્ણ કરવા માટે રેલવે મંત્રાલય દાહોદ વર્કશોપને અપગ્રેડ કરીને પ્રોડક્શન યુનિટમાં ફેરવવા જઈ રહ્યું છે. મેક ઈન ઈન્ડિયા અભિયાન હેઠળના આ પ્રોજેક્ટ પાછળ આશરે 20 હજાર કરોડ રૂપિયાના ખર્ચનો અંદાજ છે. 1200 લોકોમોટિવના ઉત્પાદનનો ટાર્ગેટ હોવાનું જાણવા મળ્યું છે. આ માટે રેલવેમંત્રી અશ્વિની વૈષ્ણવ પણ દાહોદ આવી રહ્યા છે. તેઓ દાહોદના રેલવે કારખાનાનું ઈન્સ્પેક્શન પણ કરશે. આ પૂર્વ

...અનુસંધાન પાના નં. 9

હાઇસ્પીડ એન્જિનથી ટ્રેનની ગતિ બમણી થશે

- 9000 એચપી એન્જિન 4500 ટન કાર્ગો વાળી ગુડ્સ ટ્રેન ચલાવી શકાશે
- નવા એન્જિનોથી કન્ટેનર ટ્રેનોની સ્પીડ વધીને 120 કિમી પ્રતિ કલાક થઈ જશે. જે અત્યાર 60થી 90 કિમીની છે.
- આશરે 11 હજાર મેરોજગારોને પ્રત્યક્ષ અને પરોક્ષ રૂપે રોજગાર મળશે

દાહોદની રેલવે વર્કશોપ 90 વર્ષ જૂનું

- આશરે 67 એકરમાં ફેલાયેલા દાહોદ રોલિંગ વર્કશોપ વર્કશોપ 1931થી છે
- અહીં હાલમાં એન્જિનોનું POH (પીરિયોડિક ઓવરહોલિંગ) કરાય છે
- થોડાં વર્ષો પહેલાં વર્કશોપમાં 30 નવા WAG7 એન્જિન એસેમ્બલ થયાં છે.
- 2019થી 3-ફેઝ એન્જિનોનું પીઓએચ પણ કરાઈ રહ્યું છે.

“મારા જીવનમાં પહેલીવાર એવું બન્યું છે કે એક સાથે દોઢથી બે લાખ માતાઓ આને બહેનો આશીર્વાદ આપી રહ્યાં છે. જ્યારે મહિલાઓ ઓવારણાં લેતી હતી, ત્યારે હું મનની ભાવનાઓને રોકી ના શક્યો. - વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી

બનાસ ડેરીના 600 કરોડના ડેરી પ્લાન્ટનું ઉદ્ઘાટન

રોજ 30 લાખ લિટર દૂધ પ્રોસેસ થશે, 6 ટન ચોકલેટ, 80 ટન માખણ અને 1 લાખ લિટર આઈસક્રીમ બનશે

ભાસ્કર ન્યૂઝ. પાલનપુર

પીએમ મોદીએ મંગળવારે બનાસકાંઠા જિલ્લાના દિયોદર નજીક સણાદર ગામે બનાસ ડેરીના નવા ડેરી પ્લાન્ટનું ઉદ્ઘાટન કર્યું હતું. નવા પ્લાન્ટમાં દરરોજ 30 લાખ લિટર દૂધનું પ્રોસેસિંગ થશે તથા 80 ટન બટર, 1 લાખ લિટર આઈસક્રીમ, 20 ટન કન્ડેન્સ્ડ મિલ્ક અને 6 ટન ચોકલેટનું ઉત્પાદન કરી શકાશે. સાથે જ પોટેટો પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટમાં ફ્રેન્ચ ફ્રાય, ચીપ્સ, આલુ ટિક્કી જેવી વિવિધ પ્રોડક્ટ્સ માટે બટાકાનું પ્રોસેસિંગ થશે.

દૂધની આવક જો બજારમાં ન વેચાય તો દૈનિક રૂપિયા 30 કરોડનું પશુપાલકોને નુકસાન થાય તેવી સ્થિતિનું નિર્માણ થઈ રહ્યું હતું. જે ન થાય તે માટે આ નવા પ્લાન્ટની સ્થાપના કરવામાં આવી હતી. પીએમ મોદીએ આ પ્લાન્ટ માટે બનાસ ડેરીના ચેરમેન શંકર ચૌધરીને પોતાના સાથી ગણાવી પ્રસંશા કરી હતી.

જામનગરમાં પ્રથમ ટ્રેડિશનલ મેડિસિન સેન્ટરનું ભૂમિપૂજન

જામનગર ગ્લોબલ હેલ્થ વેલનેસનું કેન્દ્ર બની જશે

જામનગરમાં મંગળવારે પીએમ મોદીના હસ્તે વિશ્વના પ્રથમ ગ્લોબલ સેન્ટર ફોર ટ્રેડિશનલ મેડિસિન સેન્ટરનું ભૂમિપૂજન થયું હતું. આ સેન્ટર થકી જામનગર ગ્લોબલ હેલ્થ, વેલનેસનું કેન્દ્ર બનશે. કાર્યક્રમમાં મોરેશિયસના વડાપ્રધાન જુગનાથ,WHOના વડા ટેડ્રોસ ઉપસ્થિત હતા.

પોતાના જન્મદિન પર અંબાણી મોદીને મળ્યા

પીએમ મોદીએ મંગળવારે જામનગર ખાતે સર્કિટ હાઉસમાં રિલાયન્સના સર્વેસર્વા મુકેશ અંબાણી અને તેમના પુત્ર આકાશ અંબાણી સાથે 25 મિનિટ મુલાકાત કરી હતી. મંગળવારે મુકેશ અંબાણીનો જન્મદિવસ પણ હોવાથી તેમણે વડાપ્રધાનની શુભેચ્છા મુલાકાત કરી હતી.

દિવ્ય ભાસ્કર

“ મારા જીવનમાં પહેલીવાર એવું બન્યું છે કે એક સાથે દોઢથી બે લાખ માતાઓ અને બહેનો આશીર્વાદ આપી રહ્યાં છે. જ્યારે મહિલાઓ ઓવારણાં લેતી હતી, ત્યારે હું મનની ભાવનાઓને રોકી ના શક્યો. - વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી

બનાસ ડેરીના 600 કરોડના ડેરી પ્લાન્ટનું ઉદ્ઘાટન

રોજ 30 લાખ લિટર દૂધ પ્રોસેસ થશે, 6 ટન ચોકલેટ, 80 ટન માખણ અને 1 લાખ લિટર આઈસક્રીમ બનશે

ભાસ્કર ન્યૂઝ | પાલનપુર

પીએમ મોદીએ મંગળવારે બનાસકાંઠા જિલ્લાના દિયોદર નજીક સન્નાંદર ગામે બનાસ ડેરીના નવા ડેરી પ્લાન્ટનું ઉદ્ઘાટન કર્યું હતું. નવા પ્લાન્ટમાં દરરોજ 30 લાખ લિટર દૂધનું પ્રોસેસિંગ થશે તથા 80 ટન બટર, 1 લાખ લિટર આઈસક્રીમ, 20 ટન કન્ડેન્સ્ડ મિલ્ક અને 6 ટન ચોકલેટનું ઉત્પાદન કરી શકાશે. સાથે જ પોટેટો પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટમાં ફ્રેન્ચ ફ્રાય, ચીપ્સ, આલુ ટિક્કી જેવી વિવિધ પ્રોડક્ટ્સ માટે બટાકાનું પ્રોસેસિંગ થશે.

દૂધની આવક જો બજારમાં ન વેચાય તો દૈનિક રૂપિયા 30 કરોડનું પશુપાલકોને નુકસાન થાય તેવી સ્થિતિનું નિર્માણ થઈ રહ્યું હતું. જે ન થાય તે માટે આ નવા પ્લાન્ટની સ્થાપના કરવામાં આવી હતી. પીએમ મોદીએ આ પ્લાન્ટ માટે બનાસ ડેરીના ચેરમેન શંકર ચૌધરીને પોતાના સાથી ગણાવી પ્રસંશા કરી હતી.

જામનગરમાં પ્રથમ ટ્રેડિશનલ મેડિસિન સેન્ટરનું ભૂમિપૂજન

જામનગર ગ્લોબલ હેલ્થ વેલનેસનું કેન્દ્ર બની જશે

જામનગરમાં મંગળવારે પીએમ મોદીના હસ્તે વિશ્વના પ્રથમ ગ્લોબલ સેન્ટર ફોર ટ્રેડિશનલ મેડિસિન સેન્ટરનું ભૂમિપૂજન થયું હતું. આ સેન્ટર થકી જામનગર ગ્લોબલ હેલ્થ, વેલનેસનું કેન્દ્ર બનશે. કાર્યક્રમમાં મોરેશિયસના વડાપ્રધાન જુગનાથ, WHOના વડા ટેડ્રોસ ઉપસ્થિત હતા.

પોતાના જન્મદિન પર અંબાણી મોદીને મળ્યા

પીએમ મોદીએ મંગળવારે જામનગર ખાતે સર્કિટ હાઉસમાં રિલાયન્સના સર્વેસર્વા મુકેશ અંબાણી અને તેમના પુત્ર આકાશ અંબાણી સાથે 25 મિનિટ મુલાકાત કરી હતી. મંગળવારે મુકેશ અંબાણીનો જન્મદિવસ પણ હોવાથી તેમણે વડાપ્રધાનની શુભેચ્છા મુલાકાત કરી હતી.

The Mellinium Post

'India tops milk production in world'

Turnover higher than wheat and rice output, says PM Modi

OUR CORRESPONDENT

BANASKANTHA (GUJ): Prime Minister Narendra Modi on Tuesday said India produces milk worth Rs 8.5 lakh crore annually, more than the turnover of wheat and rice, and underlined that small farmers are the biggest beneficiaries of the dairy sector. In a veiled dig at Congress, Modi said a former prime minister used to say that only 15 paise out of one rupee reaches (the beneficiaries) after leaving Delhi, but he ensures that the entire100 paise reaches the intended beneficiaries and gets deposited into the account of farmers.

The prime minister was addressing a gathering at Diyodar in the Banaskantha district after inaugurating a new dairy complex and a potato processing plant of the Banas Dairy.

He said the cooperative dairy empowers small farmers, especially women, and strengthens the village economy.

"Today, India is the world's largest producer of milk. When the livelihood of crores of farmers depends on milk, India produces milk worth Rs 8.5 lakh crore annually. This is something that many, including renowned economists, fail to pay attention to. "As against this, even the turnover of wheat and rice is not Rs 8.5 lakh crore. And small farmers are the biggest beneficiaries of the dairy sector," Modi said.

He also inaugurated and laid the foundation stones for a host of other projects of the Banas Dairy. "The biggest beneficiaries of the dairy sector are small farmers, who hold no more than two- five bigha land and suffer from scanty rainfall and the lack of (irrigation) water. They take care of their families by raising cattle," he said.

Banas Dairy is said to be

PM Narendra Modi FILE PHOTO

one of the leading milk production manufacturing companies in Asia.

The prime minister said that his government has always cared about farmers with small land-holdings by ensuring their well-being.

"After going to Delhi (after becoming prime minister in 2014), I took on the responsibilities of small farmers across the country. And today, I transfer Rs 2,000 directly into the bank accounts of farmers three times in a year," he said.

"A former prime minister used to say that only 15 paise out of one rupee reaches (the beneficiaries). But this Prime Minister says that the entire 100 paise reaches the houses of people to whom it is meant for after leaving Delhi, and gets deposited into the account of farmers," Modi said.

Addressing women dairy farmers on the occasion, Modi said that Banas Dairy is an example of how a cooperative movement can strengthen the economy of a village and empower women, in turn strengthening the campaign for the "Aatmanirbhar Bharat."

He also praised the women of Banaskantha for the way they care about their cattle with more affection even than their children.

Modi said that Banas Dairy has demonstrated that resources other than dairy can also be used to increase the income of local farmers. He said that Banas Dairy will set up many bio-CNG and gobar gas plants across the country, which will give a fillip to the government's campaign of turning waste into wealth.

"Many goals are being achieved simultaneously through Gobardhan (to manage cattle waste). One, it is keeping the villages clean, and secondly, cattle farmers are also getting money for cow dung," he said. "Third, products like bio-CNG and electricity are being prepared from cow dung. Fourth, the organic manure that is available in this whole process is helping the farmers a lot," he said.

The prime minister said that the Banas Dairy has expanded its reach to provide benefits to the dairy farmers in states like Uttar Pradesh, Haryana, Rajasthan, Odisha, Andhra Pradesh, and Jharkhand.

મુંબઇ સમાચાર

લોકાર્પણઃ બનાસકાંઠા જિલ્લાના દિયોદારસ્થિત બનાસ ડેરી સંકુલ ખાતે મંગળવારે યોજવામાં આવેલા અનેક વિકાસ યોજનાના શિલોરાપણ અને ઉદ્ઘાટન સમારોહ દરમિયાન વડા પ્રધાન નરેન્દ્ર મોદી, ગુજરાતના મુખ્ય પ્રધાન ભૂપેન્દ્ર પટેલ, ભાજપ રાજય એકમના પ્રમુખ સી. આર. પાટીલ અને અન્ય. (પીટીઆઈ)

દેશમાં ₹ ૮.૫ લાખ કરોડના દૂધનું ઉત્પાદનઃ મોદી

ડેરી અને બટાકા પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટનું કર્યું લોકાર્પણ

(અમારા પ્રતિનિધિ તરફથી)

અમદાવાદઃ ભારતમાં વર્ષે રૂ.૮.૫ લાખ કરોડના દૂધનું ઉત્પાદન થાય છે જે ઘઉં અને ચોખાના ટર્નઓવર કરતાં વધારે છે અને આથી ડેરી સેકટરનો લાભ નાના ખેડૂતોને સૌથી વધારે મળે છે. વડા પ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ જણાવ્યું હતું કે બનાસકાંઠાના દિયોદરમાં ડેરીનું નવાં કોમ્પ્લેક્સ, બટાકા પ્રોસેસિંગ પ્લાન્ટનું ઉદ્ઘાટન કર્યા બાદ વડા પ્રધાને જણાવ્યું કે કરોડો ખેડૂતોનું ગુજરાન દૂધની આવક પર નિર્ભર છે કે જેની પર મોટા અર્થશાસ્ત્રીઓનું પણ ધ્યાન ગયું નથી. ગામડાઓનું વિકેન્દ્રિત અર્થતંત્ર આનું ઉદાહરણ છે. ભારતમાં વર્ષે રૂ.૮.૫ લાખ કરોડનું દૂધનું ઉત્પાદન થાય છે જે ઘઉં અને ચોખાના ટર્નઓવર કરતાં પણ વધારે છે. આમ ડેરી સેકટરનો સૌથી વધુ લાભ નાના ખેડૂતોને મળ્યો છે.

તેમણે વધુમાં કહ્યું હતું કે ડેરી સેક્ટરનો સૌથી વધુ લાભ નાના ખેડૂતોને મળે છે. પશુપાલન કરીને પરિવારનું પેટ ભરતા નાના ખેડૂતોની મોટી ચિંતા કરવાનું કામ

(જુઓ પાનું ૨) ▸▸

વડા પ્રધાને બનાસકાંઠાની મહિલાઓને પૂછ્યું, ૧૨ મહિને કેટલું કમાતાં હશો?

નરેન્દ્ર મોદીએ પશુપાલન-ખેતી કરીને બે પાંદડે થયેલી મહિલાઓ સાથે હળવી વાતચીત કરી, નારીશક્તિને નમન પણ કર્યું

શૈલેષ નાયક

shailesh.nayak@mid-day.com

અમદાવાદ : ઉત્તર ગુજરાતમાં આવેલા બનાસકાંઠાની પ્રગતિશીલ મહિલાઓ સાથે ગઈ કાલે દેશના વડા પ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ બેઠક કરીને તેમને બિરદાવીને દીકરીઓને ભણાવવા ઉપર ભાર મૂક્યો હતો. પોતાની આવડતથી બે પાંદડે થયેલી પશુપાલન - ખેતી કરતી મહિલાઓ સાથે વાતચીત કરતાં વડા પ્રધાને હળવાશમાં પૂછ્યું હતું કે ૧૨ મહિને કેટલું કમાતાં હશો, ખાનગી ન હોય તો કહેજો મને, હું કંઈ લેવા નહીં આવું.

વડા પ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ ગઈ કાલે બનાસકાંઠાની બહેનો સાથે સંવાદ કર્યો હતો.

વડા પ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીએ ગઈ કાલે દિયોદરમાં બનાસ ડેરી સંકુલ અને તેના વિવિધ પ્લાન્ટનું લોકાર્પણ અને ખાતમુહૂર્ત કર્યું હતું. બનાસકાંઠા આવેલા નરેન્દ્ર મોદીએ ગઈ કાલે બનાસકાંઠાની અંદાજે ૨૩ જેટલી બહેનો સાથે ખુલ્લા મને ચર્ચા કરીને તેમની વિગતો જાણી હતી. બહેનોએ તેમને જ્યોતિગ્રામ યોજના, રાંધણગૅસની ઉજ્જવલા યોજના સહિતની યોજનાઓથી તેમની મુશ્કેલીઓ દૂર થઈ છે તેમ જણાવ્યું હતું. નરેન્દ્ર મોદીએ આ તબક્કે એમ પૂછ્યું હતું કે ૨૦ કરતાં વધુ ગાય હોય એવા કોણ છે. તેમ પૂછતા એક બહેને કહ્યું હતું કે મારે ત્યાં ૪૫ ગાય અને ૮૫ ભેંસ છે જેના દ્વારા એક કરોડ ૨૬ લાખનું દૂધ ભરાયું હતું. આ સાંભળીને વડા પ્રધાન અચરજ પામી ગયા હતા. એક મહિલાએ તેમના ખેતરમાં ખેત તલાવડીથી થયેલા ફાયદા જણાવ્યા હતા. નરેન્દ્ર મોદીએ આ મહિલાઓને વીજળી અને પાણીની બચત કરવા અપીલ કરી હતી અને કહ્યું હતું કે આઝાદીનો અમૃત મહોત્સવ પ્રસંગ છે ત્યારે દરેક જિલ્લામાં ૭૫ મોટાં તળાવ બનાવવા છે.

બનાસકાંઠાના દિયોદરમાં સભા સ્થળે મોટી સંખ્યામાં ઉપસ્થિત રહેલી મહિલાઓએ નરેન્દ્ર મોદીનાં ઓવારણાં - દુખણાં લીધાં હતાં અને માતાજી તેમને શક્તિ આપે તેવી પ્રાર્થના કરી હતી. નરેન્દ્ર મોદી આ તબક્કે ભાવુક થયા હતા અને સંબોધન કરતાં કહ્યું હતું કે કદાચ જીવનમાં પહેલીવાર આવો અવસર આવ્યો હશે કે એકસાથે દોઢ બે લાખ માતા-બહેનો આજે મને આશીર્વાદ આપી રહી છે. તમે ઓવારણાં લઈ રહ્યાં હતાં ત્યારે હું મારા મનનો ભાવ રોકી નહોતો શક્યો. તમારા આશીર્વાદ અણમોલ આશીર્વાદ છે. બનાસકાંઠા શક્તિ-ઊર્જાનું કેન્દ્ર છે. બનાસકાંઠાની સૌ માતા-બહેનોને આદરપૂર્વક નમન કરું છું. પશુપાલનનું કામ મેં જોયું છે કે બનાસકાંઠાની માતા-બહેનો ઘરમાં જેમ સંતાનોને સાચવે તેના કરતાં વધુ લાગણીથી એના પશુને સાચવે છે. પશુઓને ચારો-પાણી ન મળ્યાં હોય તો માતા-બહેનો પોતે પાણી પીતાં અચકાતી હોય છે. ક્યાંક લગન માટે કે વાર-તહેવાર માટે એક રાત બહાર જવાનું હોય તો સગાંવહાલામાં લગન છોડી દે, પણ પશુને એકલા છોડીને ન જાય. આ ત્યાગ અને તપશ્ચર્યા છે. આ માતા-બહેનોની તપશ્ચર્યાનું પરિણામ છે કે આજે બનાસ ડેરી ફુલીફાલી છે અને એટલા માટે મારા નમન મારી આ બનાસકાંઠાની માતા-બહેનોના ચરણોમાં છે.

બનાસ ડેરીની કામગીરીની સરાહના કરીને નરેન્દ્ર મોદીએ કહ્યું હતું કે બનાસકાંઠાની આ કો-ઑપરેટીવ મુવમેન્ટ બનાસકાંઠાના ઉજ્જવળ ભવિષ્યનું એક ગતિશીલ કેન્દ્ર બની ગયું છે. મુખ્ય પ્રધાન હતો ત્યારે ખડેપગે રહેતા હતો. તમે મને દિલ્હી મોકલ્યો તો પણ મેં તમને નથી છોડ્યા. તમારા સુખ-દુઃખમાં ઊભો રહ્યો છું. હું તમારો સાથી છું. તમારી પડખે ઊભો રહીને કામ કરવા માગું છું.

નરેન્દ્ર મોદીએ બનાસ ડેરી સંકુલની મુલાકાત લીધી હતી અને વિવિધ પ્લાન્ટ જોયા હતા.